राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शाहिद कपूर मलयालम....8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 16 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 326 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राष्ट्रपति ने एमपी में लागू किया पेसा एक्ट, सीएम शिवराज बोले- धर्मांतरण का दुष्चक्र नहीं चलने दिया जाएगा

भोपाल। मध्य प्रदेश के शहडोल में बिरसा मुंडा की जयंती पर आदिवासी गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में शामिल हुईं। इस दौरान मध्यप्रदेश में पेसा के नए नियम की भी घोषणा हुई। अपने संबोधन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ तौर पर कहा कि अपने मध्यप्रदेश के धरती पर धर्मांतरण का दुष्चक्र नहीं चलेगा। इसके साथ ही पेसा नियम के बारे में बात करते हुए शिवराज ने कहा कि यह किसी के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। भगवान बिरसा मुंडा धरती के आबा, धरती के भगवान कहे जाते थे। अंग्रेज उनके नाम से कांपते थे। ऐसे अमर क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उनके चरणों में प्रणाम करता हूं।

शिवराज ने आगे कहा कि हम गौरवान्वित हैं कि जनजातीय समाज से हमारी तपस्वी बहन आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी भारत की राष्ट्रपति हैं। मध्यप्रदेश की धरती पर हम उनका हृदय से स्वागत और अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचमुच में भारत को भगवान का वरदान हैं। उनके नेतृत्व में भव्य, वैभवशाली, गौरवशाली, संपन्न और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता के साथ हम पेसा कानून के नियम लागू कर रहे हैं। जल, जंगल व जमीन पर सबका अधिकार है। यह पेसा कानून जल, जंगल व जमीन का अधिकार जनजातीय भाइयों–बहनों को देने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महुआ का फूल, महुए की गुल्ली, अचार की चिरौंजी, हर्रा, बहेड़ा, आंवला ये वनोपज होती है। ये पेसा के नियम तय करते हैं कि ग्राम सभा अब वनोपज का संग्रहण करेगी और इसका मूल्य भी तय कर सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब हर साल गांव की जमीन का उसका नक्शा, वन क्षेत्र का नक्शा, खसरा की नकल, ठ1 की नकल पटवारी या फॉरेस्ट बीट गार्ड को गांव में लाकर ग्रामसभा को दिखाना पड़ेगा, ताकि जमीनों में कोई हेरफेर ना हो। गांव में मनरेगा और अन्य कामों के लिए धन आता है, इससे कौन सा काम किया जायेगा, इसे भी ग्राम सभा तय करेगी। उन्होंने कहा कि पेसा के नियम आपको यह अधिकार दे रहे हैं कि आपके गांव से अगर काम के लिए कोई बेटा–बेटी बाहर जाते हैं तो उसे पहले ग्रामसभा को बताना पड़ेगा कि ले जाने वाला कौन है, और कहां ले जा रहा है। शिवराज ने साफ तौर पर कहा कि छल–कपट कर बेटी से शादी कर जमीन हड़पने का काम मध्यप्रदेश की धरती पर हम नहीं होंगे देंगे। यदि यह पता चलता है कि किसी ने छल से जमीन नाम करवा ली है तो ग्रामसभा उस जमीन को वापिस करवाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो नियम विरुद्ध काम करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। निर्धारित दरों से अधिक ब्याज दर पर कोई ऋण देगा, तो उसे भी किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जायेगा। वन उपज का न्यूनतम मूल्य तय करने का अधिकार अब ग्रामसभा को होगा। स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और आंगनवाड़ी ठीक से चल रहे हैं या नहीं, यह देखने का भी काम ग्राम सभा करेगी।

जी20 सम्मेलन में पीएम मोदी ने दिया शांति संदेश, कहा यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का रास्ता खोजना होगा

बाली। जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में कोरोना वायरस संक्रमण और यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया भर में तबाही मची है। फूड एनर्जी और सिक्योरिटी सत्र में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना और यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया भर में सप्लाई की व्यवस्था गड़बड़ा गई है। इन दोनों समस्याओं के कारण दुनिया भर में तबाही मची है। रूस यूक्रेन युद्ध पर बयानः उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाएं भी इन परेशानियों से बचाने में विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए जरुरी है कि सभी को मिलकर यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रास्ता निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा यूक्रेन में युद्ध विराम का समर्थन किया है। इस मुद्दे पर कूटनीति के रास्ते पर लौटकर मध्य का रास्ता खोजने की जरुरत है। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि इस युद्ध के कारण दुनिया तबाह हुई थी। उस युद्ध के कहर का असर आज भी दुनिया में देखने को मिलता है। हालांकि उस समय नेताओं ने शांति का रास्ता अपनाकर युद्ध को खत्म किया था। आज के समय में भी वही करना अहम कदम साबित होगा। उन्होंने कहा

कि हमें ऊर्जा की आपूर्ति पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। ऊर्जा बाजार में स्थिरता को बनाए रखना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत में आधी बिजली अक्ष्य स्त्रोतों से उत्पन्न होने लगेगी। उन्होंने बता या कि भारत में खाद्य सुरक्षा की स्थिति बनाए रखने के लिए प्राकृति खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार लगातार पौष्टिक और पारंपरिक खाद्य पदार्थों को लोकप्रिय बानाने पर जोर दे रही है। आने वाले समय में भारत अपनी खाद्य सुरक्षा को मजबूत कर वैश्विक कुपोषण और भूखमरी को भी दूर करने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में खाद्य की कमी होती है तो ये आने वाले समय में खाद्य संकट के तौर पर उभरेगी। ऐसी स्थिति में दुनिया के समाने किसी तरह से इस समस्या से निपटने के लिए दुनिया के पास रास्ता नहीं होगा। ऐसे में जरूरी है कि खाद्यानों की आपूर्ति को स्थिर बनाना जरूरी है। इस संबंध में देशों को भी आपस में समझौते करने चाहिए, ताकि दुनिया खाद्यान संकट से ना जूझे। क्यों महत्वपूर्ण हैं जी–20 देश इंडोनेशियाः जी–20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका व यूरोपीय संघ शामिल हैं।

लव जिहाद का मिशन चल गया है... श्रद्धा के जघन्य मर्डर पर बोले गिरिराज सिंह, राहुल गांधी, नीतीश और लालू पर निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली में श्रद्धा की जघन्य हत्या के मामले पर अब राजनीतिक दलों की भी टिप्पणी आने लगी है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले को लव जिहाद करार दिया है। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि जब दिल्ली के अंदर कोई गैर–मुस्लिम किसी लड़के से प्रेम विवाह करता हो तो उसे टुकड़े–टुकड़े कर दिया जाता है। नाम बदलकर और चोला बदलकर बहला फुसलाकर यह किया जाता है। उन्होंने कहा कि लिव इन रिलेशनशिप नहीं वे एक तरह से वैवाहिक संबंध में रह रहे थे। देश भर में लव जिहाद एक तरह से मिशन चल गया है। हिंदू लड़कियों को बहला–फुसलाकर अपने साथ जोड़ना और फिर उन्हें छोड़ देना या मौत के घाट उतारना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब तक लाखों करोड़ों श्रद्धाओं की शहादत हो चुकी है। यह एक षड्यंत्र है और इसके तहत लव जिहाद चल रहा है। लड़कियों को बहला–फुसलाकर फंसाया जाता है और फिर धर्म न बदलने पर हत्या कर दी जाती है।

गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, खड़गे, सोनिया, राहुल सहित इन नेताओं को मिली जगह

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव को लेकर कांग्रेस लगातार जमीन पर काम करने की कोशिश कर रही है। गुजरात चुनाव के प्रचार के लिए कांग्रेस ने वार रूम भी बनाया है जिसमें चुनावी राजनीति पर चर्चा हो रही है। वहीं, आज कांग्रेस की ओर से गुजरात चुनाव को लेकर स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी गई है। स्टार प्रचारकों की सूची में सबसे पहले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम है। 40 लोगों की इस सूची में दूसरे स्थान पर यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम है। चौथे नंबर पर पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम है। पांचवे नंबर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री और गुजरात के चुनाव प्रभारी अशोक गहलोत और छठे पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम है। गुजरात चुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, तारिक अनवर, बीके हरिप्रसाद, शक्ति सिंह गोहिल, रघु शर्मा और जगदीश ठाकोर के भी कंधों पर रहने वाली है।

दिल्ली नगर निगम चुनावः दिल्ली में जारी है पोस्टर वार

भाजपा ने कहा- सत्ता के नशे में कट्टर हिंदू विरोधी बनी केजरीवाल एंड कंपनी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीति तेज होती जा रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच जबरदस्त टक्कर मानी जा रही है। दिल्ली नगर निगम में 250 सीटें हैं। इसके लिए 4 दिसंबर को चुनाव होने हैं। भाजपा पिछले 15 सालों से दिल्ली में नगर निगम पर काबिज है। एक बार फिर से भाजपा का दावा है कि वह सत्ता में आएगी। हालांकि, अरविंद केजरीवाल की पार्टी आम आदमी पार्टी का दावा है कि इस बार भाजपा को सत्ता से दूर करेंगे। इन सबके बीच दिल्ली में पोस्टर वार भी शुरू हो गया है। भाजपा लगातार पोस्टर के जरिए आम आदमी पार्टी पर निशाना साध रही है। एक पोस्टर के जरिए आप पर हमला करते हुए भाजपा ने लिखा कि सत्ता के नशे में कट्टर हिंदू विरोधी बनी केजरीवाल एंड कंपनी। इसमें भाजपा ने हिंदू पलायन, शाहिन बाग, खालिस्तान, धर्म परिवर्तन, दिल्ली दंगे जैसे मामलों को उठाया है। इसके अलावा भाजपा की ओर

से दिल्ली सरकार के कामकाज पर भी निशाना साधा गया है। भाजपा ने शराब घोटाला, तिहाड़ वसूली, दिल्ली जल बोर्ड घोटाला, शिक्षा घोटाला, मनी लॉन्ड्रिंग और वक्फ घोटाला को लेकर की केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा है। वहीं, दिल्ली भाजपा के प्रमुख आदेश गुप्ता ने मनीष सिसोदिया का एक कार्टून फोटो साझा करते हुए लिखा की महाठग केजरीवाल का लुटेरा। वहीं, सांसद प्रवेश वर्मा ने लिखा कि 7 साल में दिल्ली की ।।च सरकार ने ना 500 स्कूल बनाये, ना 20 कॉलेज, अस्पताल,ना 11 हजार बसें खरीदी, ना घर 24 घंटे साफ पानी पहुंचा,ना 10 लाख रोजगार, न प्रदूषण कम हुआ, ना यमुना साफ मगर मोदी जी ने थ्उम प्दकपं बीमउम से बस भी दी,गरीबों को झुग्गी की जगह पक्का घर भी। फर्क साफ है। सतीश उपाध्याय ने लिखा कि कहे युवा आज का, डब्ब में फिर से चाहिए भाजपा। भाजपा नेता सुनील यादव ने एक वीडियो साझा कर लिखा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली डब्ब चुनाव में अपनी हार देखकर दिल्ली छोड़ गुजरात भाग चुके हैं, क्योंकि टिकटों के बदले पैसे लेने और शराब के ठेके खोलने व ।।च सरकार के भ्रष्टाचार से जनता में भारी रोष व्याप्त है।

गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल को सरकारों के विरूद्ध खड़ा किया जा रहा हैः सीताराम येचुरी

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा एवं युवाओं की चेतना पर नियंत्रण कायम कर भारत को 'फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र' के रूप में तब्दील करने के भाजपा–आरएसएस के एजेंडे को लागू करने के लिए विश्वविद्यालयों से जुड़े मामलों में गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल को ''सरकारों के विरूद्ध खड़ा किया जा रहा है।'' केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के हाल के कदमों के विरूद्ध यहां राजभवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान अपने संबोधन में येचुरी ने कहा कि राज्यपाल पद को महज '' केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक मकसदों को आगे बढ़ाने का अंग बना दिया गया है।'' उन्होंने कहा, '' यह भारतीय लोकतंत्र के लिए विचित्र एवं बहुत स्वस्थ्य स्थिति नहीं है।'' इस प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे लेकिन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं थे। राज्यपाल फिलहाल दिल्ली में हैं। माकपा महासचिव ने कहा कि ''इस प्रकार की स्थिति केवल केरल में ही नहीं है बल्कि अन्य गैर भाजपा शासित राज्यों में भी है।'' शहर के विभिन्न हिस्सों से सुबह मार्च निकालते हुए वाम समर्थक राजभवन पहुंचे और वहां फिर येचुरी ने प्रदर्शन की शुरुआत की। येचुरी ने कहा, ''' एक ऐसी स्थिति बन गयी है जहां राज्यपाल को राज्य सरकारों, राज्य के विश्वविद्यालयों के संदर्भ में राज्य सरकार के कदमों तथा विधानसभा से पारित कानून के अनुसार नियुक्त किये गये कुलपतियों के विरूद्ध खड़ा कर दिया जाता है।''

मोहन भागवत मस्जिद-मदरसा जाने लगे हैं, कुछ दिनों में मोदी भी 'टोपी' पहनने लगेंगे : दिग्विजय

इंदौर। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में जारी भारत जोड़ो यात्रा के असर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को मदरसा और मस्जिद जाने पर मजबूर होना पड़ा है और कुछ ही दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'टोपी' पहननी शुरू कर देंगे। दिग्विजय भारत जोड़ो यात्रा की आयोजन समिति के प्रमुख हैं। उन्होंने इंदौर में यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के बीच संवाददाताओं से कहा, "भाजपा इन दिनों आलोचना के लिए खासकर राहुल गांधी को इसलिए चुन रही है, क्योंकि उनकी भारत जोड़ो यात्रा के एक महीने के भीतर भागवत मदरसा और मस्जिद जाने लगे हैं। थोड़े ही दिनों में मोदी भी टोपी पहनने लगेंगे।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब और अन्य देशों में तो 'टोपी' पहनते हैं, लेकिन वह भारत लौटने के बाद सिर पर 'टोपी' नहीं

लगाते। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सात सितंबर से कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा का दो महीने के भीतर इतना असर हो गया है कि संघ के एक बड़े नेता को कहना पड़ा कि देश के गरीब लोग और गरीब तथा अमीर लोग और अमीर होते जा रहे हैं। दिग्विजय ने कहा, "आप देखिएगा, जब यह यात्रा अपने आखिरी मुकाम श्रीनगर पहुंचेगी, तब क्या होता है।" आदिवासी क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की जयंती पर मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में राज्य सरकार की ओर से आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शामिल होने से पहले दिग्विजय ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की भलाई के नाम पर केवल दिखावटी आयोजनों पर भरोसा करती है। दिग्विजय ने कहा, "हमें गर्व है कि द्रौपदी मुर्मू हमारे देश की राष्ट्रपति हैं। हम उम्मीद करते हैं कि वह मध्य प्रदेश में आदिवासियों को दी जाने वाली प्रताड़ना पर कुछ बोलेंगी। अगर वह इस विषय में न बोलना चाहें, तो हमारे प्रतिनिधिमंडल को उनसे चर्चा का समय दे सकती हैं।" उन्होंने यह भी कहा, "पिछली बार अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति बने थे। प्रधानमंत्री बताएं कि उनकी सरकार ने कोविंद के कार्यकाल के दौरान देश के करोड़ों दलितों के हित में क्या किया?" गुजरात के आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की सक्रियता पर दिग्विजय ने कहा कि वह बरसों से बोलते आ रहे हैं कि ये पार्टियां संघ की 'कांग्रेस मुक्त भारत' परिकल्पना का हिस्सा और 'भाजपा की बी टीम' हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रौजागांव चीनी मिल में गन्ना पेराई का शुभारम्भ

रूदौली–अयोध्या। बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट रौजागांव, में वैदिक मंत्रोचार के साथ पेराई सत्र का शुभारंभ कर दिया गया। आचार्य पंडित रामोज चतुर्वेदी के नेतृत्व में अन्य आचार्यों द्वारा वैदिक पूजा पाठ संपन्न कराया गया। जिसमें मुख्य यजमान की भूमिका इकाई प्रमुख सुधीर कुमार ने निभाई। गन्ना किसानो सहित समस्त उपस्थित सम्मानित पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सम्मानित पत्रकारगण एवं मिल अधिकारियों व क्रमचरियों ने डोंगे में गन्ना डाल कर पेराई सत्र का शुभारंभ किया। पेराई सत्र के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे विधायक रुदौली रामचंद्र यादव, विधायक बहकापुर डॉ. अमित सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी स्वपनिल यादव तथा तहसीलदार प्रज्ञा सिंह उपस्थित थे। पेराई सत्र के शुभारंभ के अवसर पर सचिव गनौली अनिल कुमार, सचिव दरियाबाद रानंजय जैसवाल, सचिव जरवल दीपक वर्मा, पूर्व अध्यक्ष सहकारी गन्ना विकास समिति लि., गनौली महाराजबक्स सिंह व दृगपाल सिंह, दरियाबाद मेकुलाल यादव व कमलाकांत द्विवेदी, मसौधा संतोष सिंह सहित समस्त संचालक मण्डल के साथ ही इकाई प्रमुख सुधीर कुमार, महाप्रबन्धक (गन्ना) इकबाल सिंह, उप महाप्रबंधक (यान्त्रिकी) उमेश चन्द्र शर्मा, उप महाप्रबन्धक (उत्पादन) प्रदीप कुमार, सहा० महाप्रबन्धक (गन्ना) हरदयाल सिंह, प्रदीप कुमार, विकास सिंह, सहायक महाप्रबन्धक (वाणिज्य) नीरज राजपूत, सहा० महाप्रबन्धक (प्रशासन व कार्मिक) धन्नजय कुमार सिंह, अभय बाजपेयी उप प्रबन्धक (मानव संशाधन), सहा० महाप्रबन्धक (इलेक्ट्रिकल) के० के० कौषिक, सहा० महाप्रबन्धक काजल घोष, सहा० महाप्रबन्धक (इन्सुट्रुमेन्ट) बृजेष कुमार, सहा० महाप्रबन्धक (आई०टी) अरूण ओझा, सहा० महाप्रबन्धक (क्यू०सी०) मनीसेन मोर्या, मुख्य प्रबन्धक (स्टोर) भूपेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य प्रबन्धक (विक्रय) नरेंद्र जोशी, मुख्य प्रबन्धक (लेखा) राजेश वर्मा, अनिल शुक्ला, अजीत राय, उपेन्द्र पाठक, विनोद श्रीवास्तव, अरविन्द सिंह, दानबहादुर, बृजेन्द्र कान्त सिंह, सन्दीप सिंह, अमित सिंह, विजय शंकर सिंह, राम औतार गौतम, घनश्याम गुप्ता, नरेंद्र मिश्रा, संजय सिंह, सुनील कुमार वर्मा, रवि कुमार मिश्रा, विनोद कुमार जोशी, अजय पांडे, विध्याशंकर सिंह एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष अधिकारी एवं कर्मचारीगण पूजा में उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित कृषक दिनेश दुबे, शंकरपाल पांडे,रमेश गुप्ता, अवधेश सिंह, राजेंद्र सिंह,जगजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, रामदेव वर्मा,वीरेंद्र राय, चंद्रेश सिंह, बबलू सिंह, बृजराज सिंह, अली सज्जाद,रामेश्वर यादव, सभी सम्मानित पतरकरगण आदि उपस्थित रहे।

गन्ना पर्ची का एसएमएस मिलने पर ही करें गन्ने की कटाई –इकाई प्रमुख सुधीर कुमार ने बताया की 18 नवम्बर को सभी वाह्य क्रय केन्द्रो पर गन्ने की खरीद शुरू कर दी गई है। इसके बाद 19 नवम्बर को मिल गेट पर गन्ने की खरीद शुरू कर दी गई है। गन्ना इकट्ठा होने के उपरांत पेराई का कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। साथ ही साथ पेराई सत्र 2022–23 में पूर्व की भांति हाईटेक व्यवस्था की गई है जिसमें गन्ना कृषकों के मोबाइल पर प्राप्त एस.एम. एस. से गन्ना पर्ची की तौल की जाएगी। साथ ही कृषक भाई एस.एम.एस. के साथ अपना एक पहचान पत्र (आधार कार्ड/निर्वाचन कार्ड/बैंक पासबुक आदि) अवश्य लेकर आये। उन्होंने किसान भाइयों से अनुरोध किया कि किसान अपने मोबाइल का इनबॉक्स समय–समय पर खाली किया करें जिससे समय से उन्हें गन्ना पर्ची आदि संबंधित एस. एम. एस. मिल सके। साथ ही महाप्रबंधक (गन्ना) इकबाल सिंह ने बताया कि कृषक भाई अपने गन्ना पर्ची का एस.एम.एस. प्राप्त किए बिना गन्ने की कटाई कदापि ना करें तथा कृषक भाई बिना एस.एम. एस. प्राप्त हुए गन्ना कदापि ना काटे क्योंकि गन्ना काटने के बाद गन्ने के वजन में निरंतर कमी आती है इससे कृषको को नुकसान उठाना पड़ता है साथ ही सभी कृषक भाइयों से अपील की है कि साफ–सुथरा जड़ पत्ती अगोला रहित ताजा गन्ना ही क्रय केंद्रों एवं मिल गेट पर आपूर्ति करें तथा अधिक से अधिक रकबे मे शरदकालीन गन्ने की बुवाई करे।

पंडित नेहरू का व्यक्तित्व व कृतित्व सदैव रहेगा अनुकरणीय:निर्मल खत्री

पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यालय पर हुई गोष्ठी

अयोध्या। पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे वह एक कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ–साथ प्रखर वक्ता तथा महान लेखक भी थे उन्हें आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। उक्त उद्गार पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए कही। पंडित नेहरू के जन्मदिन पर आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा संचालन जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने किया। पूर्व सांसद डॉ खत्री ने कहा पंडित जवाहरलाल नेहरू का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव अनुकरणीय रहेगा। जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए कहा विपरीत परिस्थितियों में भारत की बागडोर संभाल कर उन्होंने भारतवर्ष की उन्नति के मार्ग को सर्व धर्म कुटुंबकम की भावना के साथ प्रशस्त किया। प्रदेश प्रवक्ता गौरव तिवारी वीरू ने डॉक्टर नेहरू को समाजवाद का असली प्रणेता बताते हुए कहा डॉक्टर नेहरू ने देश के विकास की नींव रखी। जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा बच्चों में चाचा के नाम से प्रसिद्ध पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने प्रधान मंत्री पद से भारत को दुनिया में सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाई। उन्होंने भारत के सर्वांगीण विकास के लिए विदेश नीति, आर्थिक प्रगति की नींव, पंचवर्षीय योजना, देश का औद्योगिकीकरण, विश्व शांति आदि को लागू किया। उन्होंने भारत को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री गौतम ने कहा प्रधानमंत्री के रूप में17 वर्षों तक इस पद पर रहते हुए, उन्होंने न केवल देश बल्कि भारत के लोगों के दिल पर भी राज किया। उन्होंने भारत को एक उन्नत और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। गोष्ठी के प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा सुरेंद्र सिंह सैनिक प्रवीण श्रीवास्तव डीएन वर्मा डॉ विनोद गुप्ता सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा जिला अध्यक्ष हरे कृष्ण गुप्ता प्रशांत पांडे रजनीश शर्मा उमर मुस्तफा युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय तिवारी सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर शैलेंद्र पांडे युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष संदीप यादव रिशु शैलेंद्र मणि पांडे आदि उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विकास निधि के कार्या की करें नियमित समीक्षा : नवदीप रिणवा

मण्डलायुक्त ने की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

अयोध्या। मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में पूर्वांचल विकास निधि के अन्तर्गत मण्डल में निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की गयी। जिसमें जनपद अम्बेडकरनगर में पूर्वांचल विकास निधि के जिलांश के अन्तर्गत 46 परियोजनाओं में से 11 परियोजनाओं में शासन द्वारा धनराशि मिलने के उपरांत भी कार्य शुरू न होने पर उन्होंने सम्बंधित कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि अगर कोई स्थलीय विवाद है तो सम्बंधित तहसील प्रशासन से सम्पर्क कर उसका निराकरण करायें अन्यथा कार्यदायी संस्था जहां विवादवश कार्य नही करा पा रहे है वहां पर जो शासन से धनराशि प्राप्त हुई है उसे वापस करें व नये स्तर से नया प्रस्ताव भेजकर कार्य किया जाय तथा पूर्व के प्रस्ताव में परिवर्तन न किया जाय। यहां यह अवगत कराना है कि पूर्वांचल विकास निधि की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1991 में की गयी थी, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय विकास परियोजनाओं के लिए धन इकट्ठा करना, जिससे भविष्य में संतुलित विकास के जरिये स्थानीय जरूरतों को पूरा करते हुये क्षेत्रीय असमानताओं का निराकरण हो सकें। पूर्वांचल विकास निधि के अन्तर्गत जिलांश जिसमें एक लाख से 50 लाख तक की परियोजनाओं का कार्य कराया जाता है जो आयुक्त द्वारा अनुमोदित किया जाता है तथा 50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं जो राज्यांश के अन्तर्गत आती है वह शासन स्तर से अनुमोदित होती है। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि पूर्वांचल विकास निधि द्वारा कराये जा रहे कार्या की नियमित समीक्षा जनपद स्तर पर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा की जाय और जो अधूरी परियोजनायें है उन्हें जल्द से जल्द पूरा कराया जाय। उन्होंने जनपद सुल्तानपुर में कोई भी कार्य शत प्रतिशत पूरा न होने के सम्बंध में सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को जांच के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो गये है उनकी यादृच्छिक रूप से जांच की जाय। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त श्री अरविन्द चन्द्र जैन, मुख्य अभियन्ता पीडब्लूडी तथा सम्बंधित कार्यदायी संस्था के अधिशाषी अभियन्ता गण उपस्थित थे।

बाजार में मांग के अनुरूप फसलों की खेती करें किसान : नितीश कुमार

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार के नेतृत्व व उप कृषि निदेशक के निर्देशन में जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन एवं रवि उत्पादकता गोष्टी ध्किसान मेला एव प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर अयोध्या में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी नितीश कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किसान मेले व किसान गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में कृषि विभाग से संबंधित समस्त विभागों को मुख्य रूप से कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी, भूमि संरक्षण इत्यादि विभागों से संबंधित समस्त कार्यक्रमोंध्योजना से संबंधित पंपलेट व प्रचार साहित्यध्सामग्री प्रत्येक ग्राम पंचायत में संचालित लाइब्रेरी में कृषि कॉर्नर स्थापित कर आगामी 15 दिनों के अंदर रखवाया जाना सुनिश्चित करने हेतु उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया।

जिससे कि किसानों को समस्त विभागों की सूचनाएं एक स्थल पर प्राप्त हो सके और अधिक से अधिक कृषक योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री कुसुम योजना, कृषि सिंचाई योजना, ड्रिप इरिगेशन, स्प्रिंकलर सिस्टम, पॉलीहाउस, नेट हाउस स्थापित किए जाने हेतु किसानो को आगे आकर इन योजनाऑन का लाभ लेने की अपील की, साथ ही साथ उद्यान के क्षेत्र में केले की खेती कर कृषक भाई अपनी आय बढ़ाने को कहा। जिलाधिकारी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना से बीहड बंजर सुधार करके कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतरीन तरीके से जिले के समस्या के क्षेत्रों में कराने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने किसान भाइयों से आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करने तथा बाजार में मांग के अनुरूप फसलों की खेती करने तथा किसान भाईयों को फसल उत्पादन के साथ उसके भंडारण की भी अच्छी व्यवस्था रखने को कहा जिससे बाजारभाव अधिक होने पर अपने फसलों व उत्पादों को बेचकर अधिक आय प्राप्त कर सकें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा भी उपरोक्त किसान मेले में अपने उद्बोधन में किसान भाइयों से उन्नत किस्म की कृषि किए जाने एवं भूमि से संबंधित विवादों से दूर रहने यदि भूमि से संबंधित में किसी प्रकार का विवाद है तो उसका हल पुलिस विभाग के द्वारा निर्धारित विभिन्न पुलिस दिवसों, थाना दिवस व संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर उसका निस्तारण कर अपनी विभिन्न समस्याओं का निस्तारण कर सकते हैं कृषि के क्षेत्र में अच्छी उत्पादन उत्पादकता भी प्राप्त कर सकते हैं। किसान मेले में जिसमें मुख्य रुप से उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी डीडीएम नाबार्ड क्षेत्रीय प्रबंधक एके सिंह कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ शशिकांत यादव द्वारा जनपद में कृषि विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध कराते हुए पराली प्रबंधान के विषय में विशेष रूप से प्रकाश डाला। उपरोक्त किसान मेले पर गोष्ठी में मुख्य रुप से जिला कृषि अधिकारी, एस.डी.ओ. सदर, जिला उद्यान अधिकारी ,जिला गन्ना अधिकारी ,जिला कृषि भूमि संरक्षण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, एलडीएम, डीडीएम व विभिन्न ए.पी.ओ, स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधिगण ने मेले में अपनी सहभागिता प्रदान करते हुए अपने विचार किसानों के साथ साझा किया इसके अतिरिक्त किसान भाइयों को इफको के तरफ से विभिन्न प्रकार के उत्पाद क्षेत्रीय प्रबंधक एके सिंह के द्वारा किसानों में वितरित किया गया एवं कृषि विभाग की तरफ से किसान मेले में आए हुए समस्त प्रगतिशील कृषक व महिलाओं को डी कंपोजर निशुल्क वितरित किया गया जिससे कि यह पराली का उचित रूप से प्रबंधन सुनिश्चित कर सकें। मेले में विभिन्न विभागों एवं निजी संस्थाओं द्वारा किसी से जुड़े हुए विभिन्न उत्पादों एवं योजनाओं की स्टाल भी लगाए गए जिसका जिलाधिकारी द्वारा अवलोकन भी किया गया।

एमएलके महाविद्यालय में आईबीएम स्किल्स बिल्ड ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज, बलरामपुर में आईबीएम स्किल्स बिल्ड ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को आईबीएम द्वारा संचालित स्किल्स बिल्ड कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कोर्सेज, ट्रेनिंग एवं सेवाओं के बारे में जानकारी दी गयी कि कैसे बच्चे अपनी रूचि

और सुविधानुसार पोर्टल पर उपलब्ध कोर्सेज का लाभ उठा सकते हैं। एमएलके पीजी कॉलेज और ऋचा संस्था, नई दिल्ली के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत इस सेशन का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ जनार्दन पाण्डेय के मार्गदर्शन में आईबीएम स्किल्स बिल्ड प्रशिक्षण के लिए ओरिएंटेशन का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि ये विद्यार्थियों के लिए अच्छा मौका है, इससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। कार्यशाला के मुख्य वक्ता रहे विजय प्रकाश ने आईबीएम स्किल्सबिल्ड पोर्टल पर उपलब्ध हजारों कोर्सेज के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया कि इस कार्यक्रम की खासियत यह है कि बच्चे अपनी आवश्यकतानुसार कोर्सेज को कभी भी कहीं से भी पूरा कर सकते हैं और ऑनलाइन सर्टिफिकेट पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में नौकरी का स्वरुप लगातार बदल रहा है, ऐसे में बच्चों के लिए इस प्रकार की ट्रेनिंग और कोर्सेज बहुत उपयोगी है, जो विद्यार्थियों की हैन्ड होल्डिंग कर सके एवं उन्हें रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार कर सके। संस्था के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर विजय प्रकाश ने विद्यार्थियों के कई सवालों का उत्तर रुचिकर तरीके से दिया और कई टेक्निकल बातें भी सिखाई। बच्चों ने बताया कि यह वास्तव में अब तक का बहुत अच्छा अनुभव रहा है। ऋचा संस्था की ओर से प्रदान की गयी पेशेवर मार्गदर्शन हमारे लिए उपयोगी है और इससे हमें अपनी रोजगार क्षमता बढ़ाने बहुत मदद मिलेगी। कार्यशाला में बीसीए के साथ अन्य विभाग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मंच का संचालन करते हुए विद्यालय की अध्यापिका कृतिका तिवारी ने कहा कि तकनीकी जानकारी के साथ–साथ सामान्य ज्ञान पर भी पकड़ बनानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को आईबीएम के इन पाठ्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सेल्फ मोटिवेशन की सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ बसंत कुमार गुप्ता ने सत्र को आयोजित कराने में अहम भूमिका निभाई। सत्र के दौरान डॉ अरुण कुमार, प्रो वीणा सिंह, डॉ राजन, अभिषेक सिंह, राहुल बिसेन एवं अन्य शिक्षकगण भी मौजूद रहे।

पायनियर स्कूल में हुआ स्पोर्ट डे का आयोजन, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतियोगिताओं में विजई प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पॉयनियर पब्लिक

स्कूल एण्ड कॉलेज में स्पोर्ट डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के साथ हुआ। मुख्य अतिथ दद्दन मिश्रा पूर्व सांसद श्रावस्ती, पल्टूराम विधायक, कैलाशनाथ शुक्ल विधायक तुलसीपुर ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण करके द्वीप प्रज्ज्वलित किया। स्पोर्ट डे के अवसर पर विद्यालय में विविध खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे नर्सरी से कक्षा 12 तक के छात्र छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कक्षा एलकेजी से बाल पिक–अप एवं ड्रॉप रेस से आरूषी एवं साद प्रथम, कोमल एवं चित्रांश द्वितीय तथा आराध्या एवं अरहम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा यूकेजी के छात्रों में हुई जिग जग रेस प्रतियोगिता में निकुंज व पारूल प्रथम, सुशांत व मोहनी द्वितीय तथा हर्षित व निधि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा एक के छात्रों में हुई 100मीटर बैलून रेस में सृष्टि शुक्ला एवं सूर्याश प्रथम, यशवी एवं शिवांस द्वितीय तथा निकिता एवं संस्कार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही कक्षा दो के पियर रेस मे अनुष्का व तनय प्रथम, सशांक व दक्षा द्वितीय तथा सौम्या व वर्षान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 50 मी0 रेस में अधान व रत्नप्रिया प्रथम, मानविक व आकृति द्वितीय तथा दीपक व रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीन से हर्डल रेस में श्लोक व सुधा प्रथम, प्रांजल व मानवी द्वितीय, अर्पित व अनन्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा चार में हुई मेढ़क दौड़ में अनुराग प्रथम, सादिक द्वितीय एवं आकर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा पांच के सेक दौड़ में आराध्या व विवेक प्रथम, आराध्या व ईशान द्वितीय तथा दानिया व मानिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर रेस में विवेक प्रथम, मुकेश द्वितीय एवं तनमय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खो–खो प्रतियोगिता में कक्षा सात की छात्राओं में तलबिया, तेजस्वी, अपूर्वा, कविता, प्रीती, अंशिका, अंशी, अपराजिता एवं दिशा ने जीत हासिल किया। कक्षा छह से टैग ऑफ वार ,शतरंज प्रतियोगिता, कैरम प्रतियोगिता, बास्केट वॉल प्रतियोगिता, बैडमिंटन, वॉली वॉल प्रतियोगिता तथा हाकी प्रतियोगिता आदि खेलो का आयोजन हुआ। प्रतियोगिताओं के अंत में सभी विजई छात्र छात्राओं को अतिथियों ने ट्राफी, मेडल एवं सार्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबन्ध डा एमपी तिवारी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

लाल नगर आंगनवाड़ी केंद्र के पोषाहार वितरण मैं चल रहा कालाबाजारी का खेल

कालाबाजारी के लिए पोषण आहार रिक्शा पर ले जा रही आंगनवाडी कार्यकत्री रिक्शा रुकवाने पर खाद्यान छोड़ हुई फरार

प्रमोद पाण्डेय / दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जहां सरकार तमाम योजनाओं के द्वारा कुपोषितों बच्चो और धात्री महिलाओं को

लाभ पहुंचाने के बात कर रही हैं तो वहीं पर विभागीय मिलीभगत से भ्रष्टाचार का खेल भी बड़े स्तर पर होता देखा जा रहा है और जब बांटने वाले ही कलाबाजी करने पर उतारू हो और पोषण आहार जिस पर पात्र गरीब महिलाओं और कुपोषण के शिकार बच्चो का हक है उसे कालाबाजारी कर बाजारों में बेचा जाए तब धरातल पर योजनाओं की क्या अहमियत है और सरकार के द्वारा संचालित योजना का क्या होगा। मामला विकासखण्ड तुलसीपुर के लालनगर ग्राम पंचायत का है जहां पर कुपोषण के शिकार बच्चों और धात्री महिलाओं के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में दाल दलिया रिफाइंड दवा और कई अन्य वस्तुओं का वितरण होना सुनिश्चित है और हर माह खाद्यान्न विभाग का द्वारा उठाया जाता है लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की माने तो कई महीने से नहीं बांटा जा रहा है बल्कि वितरण के नाम कालाबाजारी का खेल आंगनवाड़ी केंद्र कार्यकत्री रश्मी पांडे के द्वारा किया जा रहा है जिसकी जानकारी ग्राम प्रधान और अन्य स्थानीय ग्रामीणों को होने पर उन्हों ने जब खाद्यान उठा कर रिक्शे में लाद कालाबाजारी को लेजाते कार्यकत्री का पीछा किया तब सारा खेल पता चला जिसकी सूचना स्थानीय पत्रकारों को मिलने पर जब खाद्यान लदे रिक्शे का पीछा करने लगे कि माल जाता कहां है तब आंगनवाड़ी कार्यकत्री रश्मी पांडे ने रिक्शा तुलसीपुर रेलवे परिसर मे घुसा कर अपने सहायको समेत फरार हो गई। जिसपर स्थानीय थाना से लेकर विभागीय अधिकारियों को सूचित किया गया है जिसमें मौके पर जी आरपी इंचार्ज की मौजूदगी रही। मौके पर तुलसीपुर की सीडीपीओ गरीमा श्रीवास्तव और बाल पुष्टाहार विभाग के अधिकारी भी उपस्थित हुए लेकिन विभागीय कार्यवाही के स्थान पर आँगन बाड़ी कार्यकत्री के बचाव करते नजर आए और यह कहते हुए की पकडा गया पोषण आहार रिफाइन और अन्य सामग्री प्रधान लालनगर के सिपुर्दगी में किया गया जिसे पुनः बटवा दिया जाए गा। वही जब रेलवे जीआरपी ने कार्यवाही की बात की तो कई राजनीतिक लोगो का दबाव बनाया गया जिसके चलते कार्यवाही नही की जा सकी और माल और रिक्शा छोड़ दिया गया जिससे साफ जाहिर होता है कि भृष्टाचार में लिप्त आंगनवाड़ी कार्यकत्री को कई सत्ता पक्ष नेताओं संरक्षण भी प्राप्त है फिर कैसे हो कार्यवाही और कैसे मिले शतप्रतिशत पात्र को योजना का लाभ।

जनपद के लिये आज ऐतिहासिक दिन, इसरो का प्रयोगशाला स्थापित - जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत की सबसे बड़ी ग्रामीण अंतरिक्ष शिक्षा प्रदर्शनी विक्रम साराभाई अंतरिक्ष प्रयोगशाला का शुभारम्भ उच्च प्राथमिक विद्यालय हसुड़ी औसानपुर सिद्धार्थनगर में स्थापित किया गया है जिसका उद्घाटन सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा लोहिया कलाभवन सिद्धार्थनगर से किया गया। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल का सी.ई.ओ. व्योमिका स्पेश प्रा0लि0 गोविन्द यादव द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि आज का दिन हमारे जनपद के लिए महत्वपूर्ण है कि हमारे जनपद में इसरो की प्रयोगशाला स्थापित हो रही है प्रयोगशाला स्थापित होने से जनपद के बच्चे प्राथमिक स्तर से विज्ञान के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा आगे जाकर अपने जनपद एवं प्रदेश का नाम भी रोशन करेंगे। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि आज विज्ञान का युग है। पूरा विश्व विज्ञान एंव टेक्नोलॉजी पर चल रहा है। भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही है। प्रधानमंत्री का सपना है कि देश का प्रत्येक छात्रध्छात्राएं आगे बढ़े एवं अपने माता–पिता के साथ अपने देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करे। आज के समय में छात्र के साथ छात्राएं भी कन्धे से कन्धा मिलाकर प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रत्येक विकास खण्ड से 05 ग्राम पंचायतो का चयन किया गया है जहां पर इसरो की प्रयोगशाला बनेगी। इस प्रयोगशाला में प्राथमिक विद्यालय के बच्चो को प्रशिक्षित किया जायेगा। दिनांक 15.11. 2022 से 15.12.2022 तक बच्चे जाकर यहां पर जानकारी प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी आदर्श, विधायक शोहरतगढ़ प्रतिनिधि महेश वर्मा, एवं अन्य संबधित अधिकारी, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव एवं शिक्षक व बच्चे आदि उपस्थित थे।

नीट एवं जे.ई. की तैयारी कर रहे बच्चों को जिलाधिकारी ने किया टैबलेट वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नीट एवं जे.ई. की तैयारी कर रहे बच्चों को टैबलेट वितरण कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में अम्बेडकर सभागार में सम्पन्न हुई। नीति आयोग में चयनित जनपद सिद्धार्थनगर में आकाश वायजू कोचिंग द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर में 200 बच्चो की प्रवेश परीक्षा आयोजित कराया गया। जिसमें 27 छात्रध्छात्राओ द्वारा प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की। जनपद में राजकीय इन्टर कालेज, नौगढ़ सिद्धार्थनगर तथा माता प्रसाद इन्टर कालेज इटवा सिद्धार्थनगर को इन बच्चों को कोचिगं सेन्टर हेतु चयनित किया गया है। जिसमें 20 छात्रध्छात्राएं नीट तथा 07 छात्रध्छात्राएं जे.ई. की तैयार कर रही है। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित बच्चो से कोचिंग सेन्टर के बारे में पूछा गया। बच्चे द्वारा बताया गया कि उन्हें दो शिक्षक मॉडल मिल रहे हैं, जहां एक शिक्षक उन्हें पढ़ाता है और दूसरा उनके सवालों और शंकाओं को हल करने में मदद करता है, साथ ही कक्षाओं के बाद छात्रों को नोट्स मिलते हैं। प्रत्येक अध्याय की अभ्यास समस्या और कार्यपत्रकों को भी हल करें और बायजू के प्रोजेक्ट मैनेजर को कक्षाओं और प्रश्नों के अद्यतन के बारे में रिपोर्ट करें कि उपस्थित हों या नहीं। 15 अक्टूबर से छात्रों के लिए कक्षाएं शुरू हो गई हैं। साथ ही डीएम साहब ने अपने आईआईटी के समय की तैयारी की कहानी साझा की और उदाहरण देकर छात्रों को प्रेरित किया और इस पहल की सराहना की। प्रोजेक्ट मैनेजर नीति आयोगध्आकश बायजू ने जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन को जानकारी देते हुए बताया कि 02 वर्ष तक बच्चो को निःशुल्क कोचिंग कराया जायेगा। बच्चो के अंग्रेजी के अध्यापक तथा प्रधानाचार्य से मिलकर बच्चो के बारे में जानकारी प्राप्त की जाती है। हम लोगो द्वारा बच्चो के घर पर जाकर बच्चो के बारे में जानकारी प्राप्त करते है। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा नीट एवं जे.ई. की तैयारी कर रहे 27 छात्रध्छात्राओ को टैबलेट, बैग एवं किताब दिया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बच्चो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोग मेहनत करके तैयारी करे तथा आगे बढ़े और अपने जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन करे। इस कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नारायण मौर्य, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सच्चिदानन्द सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 राहुल गुप्ता, अपर अर्थ एवं संख्या अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, छात्रध्छात्राएं एवं उनके अभिभावक आदि उपस्थित थे।

सांसद ने लाभार्थी को प्रधान मंत्री आवास में कराया गृह प्रवेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थी

पार्वती देवी के घर पहुच कर सांसद जगदंबिका पाल ने ग्रह प्रवेश करवाकर सम्मानित किया। मंगलवार को सदर विकास क्षेत्र के कपिया बुकनिहा ग्रांट निवासी पार्वती का गृह प्रवेश होते ही स्वजन के चेहरे खुशी से चमक उठे। सांसद ने लाभार्थी सहित ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया। पार्वती ने सांसद से कहा पूस के मकान में रहती थी अब छत मिल गया हैं। जिसमे पशुपालन करके आय की व्यवस्था भी कर रखे हैं। सांसद ने कहा कि पहले गरीब आदमी का पूरा जीवन बीत जाता था लेकिन मकान बनाने का सपना पूरा नहीं होता था। पहले भी सरकार रही, लेकिन किसी ने भी गरीबो के आशियाने के बारे में नही सोचा। इस दौरान परियोजना निदेशक नागेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवासों के नाम पर यदि कोई धन उगाही कर रहा है तो उसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दें। आवास योजना से गरीबों को रहने के लिए छत मिल गई है। मकान बनवाना लोगों के लिए एक स्वप्न था, वह प्रधानमंत्री ने पूरा कर दिया है। बीडीओ अरुण श्रीवास्तव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी, सचिव अभिनव ओझा, प्रधान रामनरेश यादव, बालमुकुंद चौहान, राकेश कुमार, ध्रुव कुमार, अनिल आदि लोग मौजूद रहे।

दुलार कार्यक्रम से बच्चों का होगा बहुमुखी विकासः निर्भय सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। बाल विकास परियोजना कार्यालय, जोगिया में दुलार कार्यक्रम के अंतर्गत सभी आगनबाड़ी कार्यकत्रीयों का एक दिवसीय अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी निर्भय सिंह ने कार्यक्रम के अवधारणा को बताते हुए सभी को स्वास्थ्य एवं पोषण तथा कुपोषित बच्चो एवं गृह भ्रमण की जानकारी देते हुए अति कुपोषित बच्चों के देख भाल के विषय में जानकारी दी। सिंह ने जानकारी देते हुए कहा की दुलार कार्यक्रम से बच्चों का बहुमुखी विकास होगा सभी लोगों को इसका लाभ लेना चाहिए। दुलार कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए नीति आयोग की सहयोगी संस्था पिरामल फाउंडेशन से गाँधी फेलो प्रीति गौतम ने बताया की शून्य से छः वर्ष के बच्चों के घर घर जा कर हेल्प लाइन नम्बर 08068971703 मिसकाल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना होगा उसके बाद साप्ताह मे चार बार फोन के माध्यम से उन्हे पोषण, स्वास्थ्य, प्रारम्भिक शिक्षा, सुरक्षा और बचाव के विषय में जागरूक किया जायेगा इस दौरान गाँधी फेलो मधु गुप्ता द्वारा दुलार कार्यक्रम के तहत बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक विकास पर ज्यादा जोर देने की बात की गई एवं मिस कॉल के जरिए लाभार्थी कि बच्चे को प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी निर्भय सिंह, मुख्य सेविका विमला पांडेय, पिरामल फाउंडेशन से प्रीति, मधु एवं कर्मचारियों सहित क्षेत्र की समस्त आगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही।

100 दिवसीय मिशन को मुख्य विकास अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पशुपालन विभाग, सिद्धार्थनगर द्वारा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में 100 दिवसीय मिशन 75 एआई के अंतर्गत जिलाधिकारी कार्यालय से जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर सचल वाहन सहित कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं की टीम को रवाना किया गया। पशु प्रजनन नीति के अंतर्गत प्रजनन योग्य पशुओं के 70 प्रतिशत उन्नत प्रजनन की सुविधा से प्रदेश को आच्छादित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार संकल्पित है एवं इस नीति के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार का अभियान चला रही है। आजादी के अमृत महोत्सव को अंगीकृत कर पशुपालन विभाग सऊदी उसी मिशन 75 एआई के अंतर्गत जनपद में माइक्रोप्लान के 15 नवंबर 2022 से 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान में कार्य हेतु अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ एम पी सिँह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य नस्ल सुधार अंतर्गत गुणवत्ता युक्त उच्च प्रजाति के सांड़ो के वीर्य से निर्धारित मानक के अनुरूप उत्पादित फ्रेंच मिनिस्ट्रा एवं फ्रेंच मिनिस्ट्रा सेक्स सीमेन के प्रयोग से उच्च गुणवत्ता युक्त संतति की प्राप्ति करना है।

इस अभियान की सफलता से उत्पन्न संतान की प्राप्ति से उत्पादकता में वृद्धि अधिक दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। इस अभियान की सफलता के लिए विभाग के अधिकारियों,कर्मचारियों एवं पैरा वेटरनरी स्टाफ के द्वारा गांव–गांव प्रचार प्रसार कर सभी पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान कराने हेतु प्रेरित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाले कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताध्पैरावेटध्पशुमित्र को मंडल स्तर पर फ्रेंच मिनिस्ट्रा के प्रयोग के साथ–साथ 15: फ्रेंच मिनिस्ट्रा सेक्स सीमेंन के प्रयोग के विषय में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारियों, पशुधन प्रसार अधिकारियों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाओं जैसे वायफ, पीसीडीएफ अथवा एनजीओ आदि को भी कृत्रिम गर्भाधान हेतु लक्ष्य आवंटित कर कार्य लिया जाएगा। मिशन 75 लाख कृत्रिम गर्भाधान अभियान के अंतर्गत जनपद सिद्धार्थनगर में सामान्य कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य 65888 एवं वर्गीकृत वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य 9883 है। उक्त कार्यक्रम के शुभारम्भ के अवसर पर जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनवर आलम,डॉ आरबी यादव,पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ बलराम चौरसिया,डॉ जावेद अहमद, डॉ प्रभाकर विक्रम सिंह,पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति सहित पैरा वेटरनरी स्टॉप, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का संचालन पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति ने किया।

एल.ई.डी. ग्राम लाइट 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इस प्रशिक्षण में एल.ई.डी. बल्ब, एल.ई.डी. झालर, एल.ई.डी. पेड, एल.ई.डी. डाउन लाइट, एल.ई.डी. झूमर, एल.ई.डी. रिचार्जेबल बल्ब आदि बनाना सिखाया जायेगा तथा कच्चा माल भी उपलब्ध कराया जायेगा। नाबार्ड द्वारा सहयोग एवं आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान के सहयोंग से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सिद्धार्थनगर द्वारा संचालित किया जा रहा है। वीस एनर्जी टेक्नोलाजी कम्पनी द्वारा मास्टर ट्रेनर एवं कच्चा माल दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 योगेन्द्र लाल भारती, नाबार्ड डी.एम.एम. ब्रिज राय, तथा अन्य संबधित उपस्थित थे।

सम्पादकीय

क्या खडगे नेता विपक्ष भी बने रहेंगे?

संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू हो रहा है तो उस समय सदन को बिना नेता के नहीं छोड़ा जा सकता है। जनवरी के अंत में जब बजट सत्र शुरू होगा तब भी दिग्विजय सिंह यात्रा में ही होंगे। एक दिन पहले ही जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह और केसी वेणुगोपाल संसद के शीतकालीन...

संसद का शीतकालीन सत्र टल गया है। नवंबर के तीसरे हफ्ते की बजाय दिसंबर के पहले हफ्ते में सत्र शुरू होगा। बताया जा रहा है कि सात से 29 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र चलने की संभावना है। तभी कांग्रेस पार्टी को राज्यसभा में अपना नेता तय करने का समय मिल गया है। ध्यान रहे मल्लिकार्जुन खडगे ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करते समय ही राज्यसभा में नेता पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि सोनिया गांधी ने उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया था। अब खडगे खुद अध्यक्ष हैं। लेकिन तय नहीं है कि वे खुद अपना इस्तीफा मंजूर करेंगे या कांग्रेस संसदीय दल की नेता के नाते सोनिया गांधी को ही उनका इस्तीफा मंजूर करना है।

जब तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं होता है तब तक वे राज्यसभा में नेता विपक्ष बने रहेंगे। यानी दो पदों की जिम्मेदारी उनके पास रहेगी। कहा जा रहा है कि उन्होंने सोनिया और राहुल गांधी को समझाया है कि उन्हें नेता विपक्ष रहने दिया जाए। उनका कहना है कि दोनों सदनों में कांग्रेस के नेता रहने की वजह से उन्होंने पिछले आठ साल में विपक्षी पार्टियों के साथ अच्छा तालमेल बैठाया है और वे बेहतर फ्लोर कोऑर्डिनेशन करने की स्थिति में हैं। हिंदी भाषी राज्यों के साथ साथ वे दक्षिण के राज्यों के नेताओं के साथ भी बेहतर तालमेल कर सकते हैं। इसके अलावा कर्नाटक विधानसभा चुनाव का भी हवाला उन्होंने दिया है। उनका कहना है कि उनको नेता विपक्ष बनाए रखने का फायदा कर्नाटक चुनाव में मिलेगा। हालांकि इन बातों का कोई मतलब नहीं है। क्योंकि कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष से बड़ा कोई पद नहीं है। हां, सोनिया, राहुल और कुछ पद तक प्रियंका गांधी वाड्रा जरूर उस पद से ऊपर हैं लेकिन अध्यक्ष से ऊपर कोई पद नहीं है। फिर जब खडगे अध्यक्ष हैं तो कर्नाटक में फायदा लेने के लिए किसी दूसरे पद पर रखने की जरूरत नहीं है। दूसरी बात यह है कि कांग्रेस ने उदयपुर के नव संकल्प शिविर में तय किया है कि एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। ऐसे में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अपवाद बनाने से मैसेज अच्छा नहीं जाएगा। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष खडगे कुछ दिन तक नेता विपक्ष बने रह सकते हैं क्योंकि पार्टी को दिग्विजय सिंह को नया नेता विपक्ष बनाना है और वे इस समय राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में हैं। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू हो रहा है तो उस समय सदन को बिना नेता के नहीं छोड़ा जा सकता है। जनवरी के अंत में जब बजट सत्र शुरू होगा तब भी दिग्विजय सिंह यात्रा में ही होंगे। एक दिन पहले ही जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह और केसी वेणुगोपाल संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल नहीं होंगे। तभी कहा जा रहा है कि दिग्विजय सिंह के यात्रा से लौटने तक नेता विपक्ष का पद खडगे के पास रह सकते हैं।

जलवायु की जुबानी चिंता

धनी देश अपनी उच्च कार्बन उत्सर्जन आधारित जीवनशैली पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इसकी कीमत गरीब देश चुका रहे हैं। उन्हें राहत देन के लिए धनी देश अपने हिस्से का चंदा भी नहीं दे रहे हैं। मिस्र के शहर शरम अल–शेख में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप–27) के दौरान कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। जिस सम्मेलन में चर्चा का मुख्य विषयवस्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए धन का इंतजाम है, वहां कुछ सामने आई जानकारियां बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। मसलन, यह कि अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए बने कोष में अपने हिस्से का पूरा चंदा नहीं दिया है। इस कोष का गठन जलवायु परिवर्तन रोकने के उपाय करने में विकासशील देशों की मदद के लिए किया गया था। गैर सरकारी संस्था कार्बन ब्रीफ ने कार्बन उत्सर्जन में विभिन्न देशों के हिस्से और उसके अनुपात में उनकी तरफ से दिए गए धन की तुलना करते हुए अपनी रिपोर्ट तैयार की है। इस रूप में उसने यह बताने की कोशिश की है कि जलवायु संकट का मुकाबला करने के मामले में इन देशों अपनी जिम्मेदारी किस हद तक निभाई है। धनी देशों ने 2020 तक जलवायु कोष में 100 बिलियन डॉलर का योगदान करने का वादा किया था। लेकिन इस समयसीमा के भीतर उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया। कार्बन ब्रीफ के मुताबिक अतीत में अमेरिका की उत्सर्जन मात्रा के हिसाब से इस कोष के लिए उसका हिस्सा 40 बिलियन डॉलर बनता था। लेकिन 2020 तक उसने सिर्फ 7.6 बिलियन डॉलर का योगदान किया। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा भी उत्सर्जन में अपने हिस्से की तुलना में सिर्फ एक तिहाई रकम का योगदान किया। ब्रिटेन ने अपने उत्सर्जन हिस्से की तुलना में 1.4 बिलियन डॉलर कम का चंदा दिया है। गौरतलब है कि जलवायु वार्ताओं के आरंभिक दौर में ही यह सहमति बनी थी कि जिन देशों ने कार्बन उत्सर्जन कर वातावरण को जितना नुकसान पहुंचाया है, उसी अनुपात में वे इस संकट का मुकाबला करने के लिए वित्तीय योगदान करेंगे। धनी देश अपनी उच्च कार्बन उत्सर्जन आधारित जीवनशैली पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इसकी कीमत गरीब देश चुका रहे हैं। इसके बावजूद धनी देश अपने हिस्से का चंदा भी नहीं दे रहे हैं। तो आखिर दुनिया जलवायु परिवर्तन से कैसे बचेगी?

कॉप27 : कितनी चुनौती और किससे

करीब 55 बैंकों, ई–वालेट्स, ई–कामर्स साइट्स, पेमेंट गेटवे व अन्य संस्थानों ने मिलकर एक इंटरकनेक्ट प्लेटफार्म लांच किया है, जिसका नाम श्सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रश्वड रिपोर्टिंग सिस्टमश् है। इस प्लेटफार्म के जरिए कम समय में फाइनेंशियल फ्रश्वड्स के शिकार लागों को बचाया जा सकता है। आप साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कश्वल करके साइबर फ्रश्वड की शिकायत कर...

अनिरुद्ध गौड़

विश्व में कहीं गर्मी अधिक पड़ रही है, तो कहीं बहुत अधिक सर्दी। कहीं इतनी वर्षा हो रही है कि कई देश बाढ़ से परेशान हैं। सारे संसाधन बौने साबित हो रहे हैं, वहां पानी ही पानी है। पहाड़ों पर लैंड स्लाइडिंग के मामले आम हो रहे हैं। कहीं इलाके सुखे से ग्रस्त हैं। समुद्र का तल भी कहीं घट–बढ़ रहा है, तो कहीं मौसम में भारी उथल–पुथल से मौसम का तापमान ऊपर–नीचे हो रहा है। कोहरा और तूफान के मामले भी बेहद गंभीर हैं। जंगलों में आग लगना आम हो रहा है। वैश्विक स्तर पर इस तरह असामान्य हो रहे भूमंडलीय तापमान और मौसम में दीर्घकालीन बदलाव, वैश्विक चिंता के विषय बने हुए हैं। इसी वैश्विक समस्या को लेकर मंथन के लिए संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक जलवायु परिवर्तन कॉन्फ्रेंस–कॉप27–6 से 18 नवम्बर के बीच मिस्र के शर्म अल–शेख शहर में हो रही है। मिस्र में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में वैश्विक तापमान की बढ़त को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम पर रोकने के लिए फंड जुटाने पर भी चर्चा होगी। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी 7 नवम्बर को इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वह 18 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधि

मंडल का नेतृत्व करेंगे। इतिहास के पन्नों में जाएं तो वैश्विक तापमान की बढ़ोतरी और मौसम के बदलावों को लेकर संयुक्त राष्ट्र में 1992 में चिंता की गई थी। पेरिस समझौते के जरिए जलवायु परिवर्तन और इसके नकारात्मक प्रभावों से निपटने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा, सहयोग और समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विश्व भर में चिंता का विषय है कि बढ़ते वैश्विक तापमान और मौसम में अचानक परिवर्तन प्राकृतिक और मानवीय, दोनों गतिविधियों से प्रभावित हैं। माना गया है कि जीवन स्तर में बेहतरी की दौड़ में जीवाश्म ईंधन के अनियंत्रित प्रयोग और औद्योगीकरण का जलवायु परिवर्तन पर विशेष प्रभाव पड़ा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस समस्या में सबसे बड़ा योगदान विकसित देशों का है, जो वैश्विक तापमान को कम करने के लिए सीधे तौर पर न तो अपने जीवन स्तर को पर्यावरण के अनुकूल बदलने को तैयार हैं, और न ही विकासशील और गरीब देशों को खुलकर आर्थिक मदद देने के लिए ही सहमत दिखाई देते हैं। एक आंकड़े पर गौर करें तो विकसित देशों की आबादी पूरे विश्व की करीब 17 प्रतिशत है, लेकिन कार्बन उत्सर्जन की बात करें तो विकसित देश कुल उत्सर्जन का 60 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वहीं भारत की आबादी पूरे विश्व की लगभग 17 प्रतिशत है, लेकिन भारत वैश्विक उत्सर्जन का मात्र 4 से 5 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन करता है। कॉप26 में भारत ने इस आंकड़े को रख कर जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिबद्धता रखी थी। कहा था कि इसके पीछे एक ही कारण है कि भारतीय जीवन शैली विकसित देशों की अपेक्षा पर्यावरण के प्रति अधिक अनुकूल है, और विकसित देशों के बराबर आबादी होने के बावजूद उनसे कम कार्बन उत्सर्जित करती है। हालांकि इस समस्या के सबसे अधिक जिम्मेदार विकसित देश हैं, फिर भी वे जलवायु परिवर्तन की समस्या का ठीकरा विकासशील देशों पर ही फोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए विकासशील देशों के वित्त पोषण के लिए कॉप27 में गरीब और विकसित देशों की मदद के लिए इस बार 100 अरब डॉलर यानी करीब 82 खरब रुपये की राशि देने का संकल्प टूटने समेत कई अन्य जलवायु में सुधार लाने की योजनाओं के कार्यान्वयन के मुद्दे भी इसमें शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन पर कॉप27 में संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन कॉप26 के परिणामों को भी रखा जाएगा जो पिछले साल ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में हुई थी। जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए कॉप27 महासम्मेलन में महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर तो चर्चा होगी ही, साथ ही यह भी देखा जाएगा कि ग्रीनहाउस गैसों उत्सर्जन को तत्काल कम करने के लिए अभी तक सभी देशों ने अपनी योजनाओं में कितना लक्ष्य प्राप्त किया और क्या रह गया है जैसे मुद्दों पर भी गंभीरता से मंथन होगा। संयुक्त राष्ट्र की एमीशन गैप रिपोर्ट–2022 को देखें तो ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए सभी देशों को एकजुट होकर 2030 तक वर्तमान ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कटौती करने की जरूरत बताई गई है जबकि 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने को 30 प्रतिशत कटौती करने की आवश्यकता होगी। इस रिपोर्ट की चिंताओं पर आगे जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने को नये और प्रभावी कदम उठाने का निर्णय भी कॉप27 में लिया जाना है।

मामला संजय राउत का हो, आजम खां का हो, केजरीवाल सरकार के शराब घोटाले का हो या मोरबी पुल की दुर्घटना का हो, जांच एजेंसियों का निष्पक्ष होना बहुत महत्त्वपूर्ण है। जानता के बीच ऐसा संदेश जाना चाहिए कि जांच एजेंसियां अपना काम स्वायत्त और निष्पक्ष रूप से कर रही हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा चाहे वो किसी भी विचारधारा या राजनैतिक दल का समर्थक क्यों न हो। ...

सामयिक : जांच एजेंसियों पर उठते सवाल

विनीत नारायण

पिछले कुछ समय से विवादों में घिरी सरकार की दो जांच एजेंसियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई विपक्ष का निशाना बनी हुई हैं। इस विवाद में ताजा मोड़ तब आया जब हाल ही में मुंबई की एक विशेष अदालत ने पात्रा चॉल पुनर्विकास से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा शिवसेना के सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी को श्अवैध्य और शनिशाना बनान्ये की कार्रवाई करार दिया। इसके साथ ही राउत की जमानत भी मंजूर कर ली गई। अदालत के इस आदेश ने विपक्ष को और उत्तेजित कर दिया है। राज्यों में चुनावों के दौरान ऐसे फैसले से विपक्ष को एक और हथियार मिल गया है। विपक्ष अपनी चुनावी सभाओं में इस मुद्दे को जोर–शोर से उठाने की तैयारी में है।

हालांकि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है, और उसे जांच एजेंसियों के समकक्ष खड़ा नहीं किया जा सकता, फिर भी यह ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश के समाजवादी नेता आजम खां के मामले में भारत के चुनाव आयोग को भी अदालत की तीखी टिप्पणी झेलनी पड़ी। जिस तरह चुनाव आयोग ने अति तत्परता से आजम खां की सदस्यता निरस्त कर उपचुनाव की घोषणा भी कर डाली उस पर सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल खड़ा किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि जो आयोग को तुरत–फुरत फैसला लेना पड़ा और आजम खां को अपील करने का भी मौका नहीं मिला।

न्याय की स्वाभाविक प्रक्रिया है कि आरोपी को भी अपनी बात कहने या फैसले के खिलाफ अपील करने का हक है जबकि इसी तरह के एक अन्य मामले में मुजफ्फरनगर जिले की खतौली विधानसभा से एक विधायक की सदस्यता रद्द करने में ऐसी फुर्ती नहीं दिखाई गई। एक ही अपराध के दो मापदंड कैसे हो सकते हैं? जहां तक जांच एजेंसियों की बात है तो दिसम्बर, 1997 के सर्वोच्च न्यायालय के श्विनीत नारायण बनाम भारत सरकारश्च के फैसले के तहत इन जांच एजेंसियों को निष्पक्ष और स्वायत्त बनाने की मंशा से काफी बदलाव लाने वाले निर्देश दिए गए थे। इसी फैसले के तहत इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पर भी विस्तृत निर्देश दिए गए थे। उद्देश्य था इन संवेदनशील जांच एजेंसियों की अधिकतम स्वायत्ता को सुनिश्चित करना। इसकी जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि हमने 1993 में एक जनहित याचिका के माध्यम से सीबीआई की अकर्मण्यता पर सवाल खड़ा किया था। तमाम प्रमाणों के बावजूद सीबीआई हिजबुल मुजाहिद्दीन की हवाला के जरिए हो रही दुबई और लंदन से फंडिंग की जांच को दो बरस से दबा कर बैठी थी।

उस पर भारी राजनैतिक दबाव था। इस याचिका पर ही फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त आदेश जारी किए थे, जो बाद में कानून बने, परंतु पिछले कुछ समय से ऐसा देखा गया है कि ये जांच एजेंसियां सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले की भावना की उपेक्षा कर कुछ चुनिंदा लोगों के खिलाफ ही कार्रवाई कर रही हैं। इन एजेंसियों के निदेशकों की सेवा विस्तार देने के ताजा कानून ने तो सर्वोच्च न्यायलय के फैसले की अनदेखी ही कर डाली। नये कानून से आशंका प्रबल होती है कि जो भी सरकार केंद्र में होगी वो इन अधिकारियों को तब तक सेवा विस्तार देगी जब तक वे उसके इशारे पर नाचेंगे।

केंद्र में जो भी सरकार रही हो उस पर इन जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगता रहा है। पर मौजूदा सरकार पर विपक्ष द्वारा यह आरोप बार–बार लगातार लग रहा है कि वो अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों या अपने विरुद्ध खबर छापने वाले मीडिया प्रतिष्ठानों के खिलाफ इन एजेंसियों का लगातार दुरु पयोग कर रही है। पर यहां सवाल सरकार की नीयत और ईमानदारी का है। सर्वोच्च न्यायालय का वो ऐतिहासिक फैसला इन जांच एजेंसियों को सरकार के शिकंजे से मुक्त करना था जिससे कि वे बिना किसी दबाव या दखल के अपना काम कर सकें क्योंकि सीबीआई को सर्वोच्च अदालत ने भी श्पिंजरे में बंद तोताश्य कहा था। इसी फैसले के तहत इन एजेंसियों के ऊपर निगरानी रखने का काम केंद्रीय सतर्कता आयोग को सौंपा गया था। यदि ये एजेंसियां अपना काम सही से नहीं कर रहीं तो सीवीसी के पास अधिकार है कि वो अपनी मासिक रिपोर्ट में जांच एजेंसियों की खामियों का उल्लेख करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अन्य नेता गत 8 वर्षो से हर मंच पर पिछली सरकारों को भ्रष्ट और अपनी सरकारों को ईमानदार बताते आए हैं। मोदी दमखम के साथ कहते हैं, श्न खाऊंगा न खाने दूंगाश्य। उनके इस दावे का प्रमाण यही होगा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच करने वाली ये एजेंसियां सरकार के दखल से मुक्त रहें। अगर वे ऐसा नहीं करते तो विपक्ष द्वारा मौजूदा सरकार की नीयत पर शक होना निराधार नहीं होगा।

हमारा व्यक्तिगत अनुभव भी यही रहा है कि पिछले इन 8 वर्षो में हमने सरकारी या सार्वजनिक उपक्रमों के बड़े स्तर के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सप्रमाण कई शिकायतें सीबीआई और सीवीसी में दर्ज कराई हैं पर उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई जबकि पहले ऐसा नहीं होता था। इन एजेंसियों को स्वायत्ता दिलाने में हमारी भूमिका का सम्मान करके हमारी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई होती थी। हमने जो भी मामले उठाए उनमें कोई राजनैतिक एजेंडा नहीं रहा है। जो भी जनहित में उचित लगा उसे उठाया। इसलिए जिनके विरुद्ध हमने अदालतों में लंबी लड़ाई लड़ी वे भी हमारी निष्पक्षता और पारदर्शिता का सम्मान करते हैं।

यही लोकतंत्र है। शिकायतकर्ता को शत्रु नहीं, बल्कि शुभचिंतक माना जाए। संत कह गए हैं, श्निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय, बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभायश्य। मामला संजय राउत का हो, आजम खां का हो, केजरीवाल सरकार के शराब घोटाले का हो या मोरबी पुल की दुर्घटना का हो, जांच एजेंसियों का निष्पक्ष होना बहुत महत्त्वपूर्ण है। जानता के बीच ऐसा संदेश जाना चाहिए कि जांच एजेंसियां अपना काम स्वायत्त और निष्पक्ष रूप से कर रही हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा चाहे वो किसी भी विचारधारा या राजनैतिक दल का समर्थक क्यों न हो। कानून अपना काम कानून के दायरे में ही करेगा।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अजय सिंह के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ

हरदोई । जनपद मुख्यालय पर जनपद के वरिष्ठ कांग्रेस जनों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अजय सिंह के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ गांधी प्रतिमा तिकुनिया पार्क पुलिस लाइन के सामने से शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए, तत्पश्चात भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती पर उनको नमन किया गया। तिकोनिया पार्क में भारी संख्या में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारी गण व कांग्रेस कार्यकर्ता गण द्वारा भारत जोड़ो यात्रा गांधी प्रतिमा से जिला अस्पताल रोड से सिनेमा चौराहा से बड़ा चौराहा होते हुए मुन्ने मियां चौराहे से महाराज सिंह पार्क से होते हुए रामदत्त चौराहा से नुमाइश चौराहे तथा रोडवेज बस अड्डा होते हुए जेल रोड स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समापन हुआ।हरदोई शहर के मुख्य मार्गों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इस पदयात्रा में वरिष्ठ कांग्रेसी जनों व कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं व महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस पदयात्रा में नफरत छोड़ो भारत जोड़ो राहुल गांधी प्रियंका गांधी के नारे लगाए गए। इस पदयात्रा में पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह नाती पूर्व सांसद स्वर्गीय धर्मगज सिंह ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बृज राजकिशोर दीक्षित, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह लोधी, जिला उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी पीसीसी सदस्य अनुपम दीक्षित ने पदयात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी जी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ की है जिसमें लगभग 4000 किलोमीटर की यात्रा में नफरत छोड़ो भारत जोड़ो का संकल्प दोहराते हुए संपूर्ण भारत में सांप्रदायिक शक्तियों को मुंह तोड़ जवाब देते हुए भारत में भाईचारा अमन चौन एवं देश की खुशहाली एवं तरक्की तथा देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए इस यात्रा का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव मंजू लता मित्रा कर रही थी ।

इस यात्रा में कांग्रेस के फ्रंटल जिला अध्यक्षों में प्रमुख रूप से अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आफताब हैदर खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष तुषार दीक्षित, एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक अमरेंद्र त्रिपाठी,ब्लॉक के जिला जिला अध्यक्ष विनीत वर्मा, प्रदेश सचिव ब्लॉक पुनीत वर्मा, जिला महासचिव पीसीसी सदस्य श्रीमती गुफरान कौशल ,पीसीसी सदस्य अजीत विशाल नंदवंशी, एनएसयूआई के अध्यक्ष शिवम सिंह चौहान, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सिंह सोमवंशी ,पीसीसी सदस्य आशीष पाल ,सोशल आउटरीच विभाग के जिला अध्यक्ष प्रियांशु शुक्ला, सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष दीप सिंह गौर ,तथा ब्लॉक अध्यक्ष भरखनी विदुर त्रिवेदी, जिला सचिव रूप लाल कोरी ,पूर्व पीसीसी सदस्य कमलेश रस्तोगी, जमील गाजी, जिला सचिव शशिकांत तिवारी, श्याम प्रकाश त्रिपाठी, विष्णु नारायण जी आशुतोष गुप्ता , आदित्य प्रताप सिंह, अंकुर चंदेल, विनीत सोनी, निकेश यादव, राम बाबू, आदि जन यात्रा में मौजूद रहे।

जिले में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार जोरों पर फल फूल रहा

हरदोई ।जिले में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार जोर पर हो रहा है। राम बाबू शुक्ला निवासी बिलग्राम चुंगी राजेश यादव निवासी गुरगुज्जा,और अनुराग यादव के द्वारा जनपद में बड़े स्तर पर अवैध मिट्टी खनन का कारोबार किया जा रहा है, खनन विभाग और पुलिस के संरक्षण में लगातार खनन माफिया अवैध मिट्टी का कारोबार कर रहे हैं वही जिम्मेदार अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शहर कोतवाली के अंतर्गत ग्राम सदई बेहटा में मिट्टी का खनन लगातार किया जा रहा है वही स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रात में 11रू00 बजे के आसपास में जेसीबी और ट्रैक्टर ट्राली आ जाती है जो पूरी रात चलती रहती हैं वही ग्रामीणों ने बताया है कि जेसीबी और ट्रैक्टर ट्राली की वजह से रास्ता भी काफी खराब हो गई है खेतों में कितने बड़े–बड़े गड्ढे बना दिए गए हैं कि बरसात के समय में इन में पानी भर जाएगा और इसमें जानवर भी गिर सकते हैं।आसपास रहने वाले किसानों ने बताया है कि बुजुर्ग और बच्चे खेतों के पास में रहते हैं जो कभी भी गड्ढे में गिर सकते हैं और बड़ा हादसा हो सकता है लेकिन इसके बावजूद स्थानीय कानून गो लेखपाल द्वारा क्षेत्र में कोई भी इन खनन माफियाओं परअंकुश लगाने में नाकाम दिख रहे हैं वह ग्रामीणों ने बताया है कि जब उच्च अधिकारियों को फोन किया जाता है तो उनका फोन रिसीव नहीं होता है और खनन माफिया लगातार अपने कारोबार को अंजाम देने में लगे रहते हैं,बीस बीस लाख रूपए के ठेके लेकर मिट्टी की पूर्ति की जा रही हैं अनुराग यादव का नाम बड़े खनन माफियाओं में आता है।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाभार्थियों को दिया गया चाभी व स्वीकृति पत्र

स्वीकृत पत्र पाकर लाभार्थियों के खिले चेहरे

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकासखंड कर्मा में शासन द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र वह चाबी वितरण कार्यक्रम आयुक्त ग्राम विकास उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में संपन्न हुआ जिसमें

विकासखंड कर्मा में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण वर्ष 2021–22 के स्वीकृत लाभार्थियों को लगभग 300 लोगों को स्वीकृत पत्र वितरित किया गया जो पात्र लाभार्थी थे तथा 2021–22 लाभार्थियों को चाबी वितरण एवं गृहप्रवेश कराया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सीमा कोल रही अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी रवि कुमार ने किया कार्यक्रम का संचालन विंध्यवासिनी मिश्रा ने किया उक्त अवसर पर समस्त सचिव प्रधान गण प्रमुख प्रतिनिधि राम अधार कोल, बृज भूषण यादव ,सुनीत मिश्रा अनूप अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया

जौनपुर । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। महिला औषधि वितरण कक्ष के निरीक्षण में पाया कि डा0 के द्वारा बाहर की दवा लिखी गयी थी जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित डाक्टर को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होंने सीएमएस अभिमन्यु कुमार को निर्देश दिया कि इस सम्बन्ध में चिकित्सकों को निर्देश जारी करें कि डाक्टर एंटीबायोटिक व अन्य दवा वही लिखे जो अस्पताल में उपलब्ध हो। डेंगू वार्ड के निरीक्षण में पाया कि कुल 20 मरीज भर्ती है, किसी भी मरीज को गम्भीर समस्या नही है। इस दौरान जिलाधिकारी ने कटका निवासी रिकी, समोधीपुर की पूजा यादव, अनूप साहू सहित अन्य सभी मरीजों से वार्ता की और उनके स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और डेंगू के सभी मरीजों को निर्देश दिया कि मच्छरदानी का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने सीमएस को निर्देश दिया कि प्लेटलेट्स उपलब्ध रहे, ओवररेटिंग की शिकायत न आने पाये। उन्होंने कहा कि जनपद में सीएचसी एवं जिला अस्पताल में पर्याप्त बेड उपलब्ध है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

कल के भारत के भविष्य हैं बच्चे: कुलपति

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बाल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने किडजी प्ले स्कूल के बच्चों को पुष्प, टिफिन बॉक्स चॉकलेट का उपहार दिया। किड्जी प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा गायन और नृत्य प्रस्तुत किया गया। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे। उन्हें गुलाब का फूल भी बहुत पसंद था। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि बाल दिवस मनाने का मकसद ही बच्चों की जरूरतों को पहचानना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके शोषण को रोकना था, ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। संयोजक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर मनोज पांडेय ने किया। कीड्जी प्ले स्कूल के प्रिन्सपल संतलाल वर्मा को कुलपति द्वारा अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। कुलपति ने इन विद्यार्थियों को कुरकुरे, चाकलेट, कोलड्रिंक और उपहार दिया और उनसे बाल दिवस के बारे में पूछा। सहायक कुलसचिव श्रीमती बबीता सिंह, प्रो. देवराज सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉक्टर संजीव गंगवार, अनू त्यागी, डॉ लक्ष्मी मौर्या, द्विबेन्दु मिश्र, झांसी मिश्र, , सोनम, प्रेक्षा आदि मौजूद रही।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर के शिक्षाशास्त्र

विभाग में एम ए प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए मंगलवार को आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। विदित हो कि विश्वविद्यालय द्वारा इस सत्र से एम ए में भी छम्ब् 2020 के तहत सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जे पी पाण्डेय के निर्देशन व विभागाध्यक्ष डॉ दिनेश मौर्य की अगुवाई में प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं की प्रथम व द्वितीय प्रश्न पत्र तथा माइनर की परीक्षा आयोजित की गई। प्राचार्य प्रो0 पाण्डेय ने बताया कि एम ए में पहली बार सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है जो छात्र–छात्राओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा और उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगा। परीक्षा के सफल आयोजन में असिस्टेंट प्रोफेसर लेफ्टिनेंट (डॉ) देवेन्द्र कुमार चौहान, प्रवक्ता सीमा श्रीवास्तव, श्रीनारायण सिंह व आनंद प्रताप त्रिपाठी का सराहनीय योगदान रहा।

मन्दिर के सुन्दरी करने वालों का किया सम्मान

जौनपुर । विकास खंड मछलीशहर के ग्राम पंचायत तिलौरा राम जानकी मंदिर पर देर शाम मन्दिर के निर्माण एवं सुन्दरीकरण तथा संचालन में सहयोग करने वाले भक्तगणों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शाम को भजन कीर्तन तथा सुन्दर काण्ड का पाठ किया गया जिसमें बामी, तिलौरा, करौरा, अलापुर,अदारी, रामगढ़,सेमरहो, महापुर, कल्याण पुर सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोगों ने प्रतिभाग किया। मन्दिर के सुन्दरीकरण, पूजा सामग्री, गायों के लिए चोकर भूसा, अलग –अलग कार्य दिवसों पर भण्डारे , आश्रम के लिए दूध, गौशाला निर्माण के लिए तथा विभिन्न अनुष्ठानों पर अनाज सहित आर्थिक सहयोग करने वाले सभी भक्तगणों को गौ पूजन के पश्चात सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रवींद्र जी महाराज ने कहा कि उनके द्वारा भव्य मन्दिर के लिए 51लाख रुपए का लक्ष्य रखा गया। जिसके लिये 11लाख वह स्वयं अपनी पेंशन से देगे। उपस्थित लोगों में तिलौरा निवासी रामनारायण सिंह ने स्वामी जी के लिये एक कक्ष तथा मया सिंह ने वर्तमान आश्रम का टाइलीकरण सहित एक कक्ष तथा बामी निवासी संजीव सिंह ने 51 हजार रुपए देने का एलान किया। स्वामी जी ने कहा कि उनकी तैयारी जून महीने से परिसर में एक वृद्धा आश्रम भी चलाने की है। इस सम्मान समारोह में रामनारायण सिंह,मया सिंह, अनिल सरोज, संजीव सिंह,विनय यादव, महेश तिवारी,महाजन प्रजापति, कृष्ण कान्त पाण्डेय, शैलेश गिरी, फूलचंद सरोज, रीडू सिंह, सत्येन्द्र सिंह , विष्णुदयाल जायसवाल, अयोध्या प्रसाद आदि उपस्थित रहे। समारोह के पश्चात भण्डारे में महाप्रसाद का वितरण किया गया।

वायु प्रदूषण फैलाने पर होगी कार्रवाई, लगेगा जुर्माना–डीएम

फिरोजाबाद ।जिलाधिकारी ने जनपद में बढते वायु प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए पोल्यूशन फैलाने वालों पर सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है.उन्होंने बताया कि ड़ा कचरा जलाने व कोयले की भटटी चलाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही, टीमें हुई गठित। चौराहों पर लाल बत्ती के दौरान वाहन स्वामी अपने वाहन के इंजन को रखे बंद। जिलाधिकारी रवि रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में वायु प्रदूषण को नियंत्रण किए जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद की वायु प्रदुषण पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रदूषण विभाग द्वारा जो माइक्रोप्लान तैयार किए गया है, उस पर सभी सम्बन्धित विभाग गम्भीरता के साथ कार्य करें। उन्होने शहर में कूड़ा कचरा जलाए जाने एवं कोयले की भट्टियां संचालित किए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह कर्मचारियों की अलग–अलग टीमें बनाकर प्रातः काल में शहर में दौडाए और कूडा कचरा जलाने वाले व कोयले की भटिटयां चलाने वाले पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए जुर्माना लगाए।

इस पर नगर निगम के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी हाल ही में कूडा जलाने वाले 10 लोगों पर कार्यवाही करते हुए 45000 का जुर्माना वसूला गया है। जिलाधिकारी ने इस कार्यवाही को और अधिक बडे स्तर पर चलाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि शहर में पोल्यूशन फैलाने वालों पर सख्ती से कार्यवाही की जाए। उन्होने निर्देश दिए कि शहर के चौराहों पर लाल बत्ती होने पर खडेध हुए वाहन के इंजन को उस दौरान बंद रखा जाए। उन्होने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सुनिश्चित करें कि इन निर्देशों का एनाउंसमेंट चौराहों पर लगे आईटीएमएस के साउण्ड स्पीकरों से कराया जाए। ठक के दौरान उन्होने सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि बिना पोल्यूशन सर्टिफिकेट के कोई भी वाहन संचालित न होने पाए और यदि ऐसे वाहन पाए जाते है, तो उन पर जुर्माना लगाया जाए। उन्होने शहर में हो रहे जगह–जगह भवन निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों व भवन स्वामियों को भी निर्देश दिए कि वह सुनिश्चित करें कि वहां पर धूल नही उडनी चाहिए, इसके लिए पानी का छिड़काव कराऐ। उन्होने एनएचआई व नगर निगम एवं पीडब्ल्यूडी के सभी मार्गों के किनारें जमा धूल, मिटटी, गन्दगी की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह निरंतर पानी का छिडकाव करवाते रहें, साथ ही पेड़ों पर भी पानी का छिडकाव करवाऐं, ताकि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके। बैठक के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी राजेश कर्दम, जिला विद्यालय निरीक्षक, नगर निगम व प्रदूषण विभाग, एनएचआई सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

नवोदय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण छात्र हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण

करने वाले छात्र हुए सम्मानित। घोरावल बीआरसी पर आयोजित कार्यक्रम में कांशीराम कंपोजिट विद्यालय के आकाश कुमार मौर्या एवं आलोक कुमार मौर्या को खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह, पुस्तकें, कलम देकर दोनों का माल्यार्पण किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम व बेहतर रणनीति के साथ समर्पित होकर पढ़ाई करना विद्यार्थी जीवन का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए और तभी वे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासक व देश के भावी कर्णधार बन सकते हैं। इस अवसर पर एसआरजी संजय मिश्रा, प्रधानाचार्या नीलम गिरी, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक मिश्रा, एआरपी धर्मराज सिंह, दिनेश मिश्रा इत्यादि रहे।

शिकोहाबाद इलाके में बंद बोरे में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

फिरोजाबाद ।शिकोहाबाद गांव दिखतौली में एक बोरे में शव मिलने से सनसनी फैल गयी शव । मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। खबर पर पहुंची पुलिस ने शव को बोरे से बाहर निकाल कर जांच की। मौके पर शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस शिनाख्त का प्रयास कर रही है, ताकि हत्या का खुलासा हो सके। गांव दिखतौली में कुछ ग्रामीण घूम रहे थे। गांव के निकट ही एक बोरा पड़ा हुआ दिखाई दिया तो अन्य ग्रामीण भी पहुंच गए। बोरे को ग्रामीणों ने कौतूहल बस खोलकर देखा तो उसमें एक युवक का शव था। शव देख कर लोगों ने शोर मचाया तो अन्य ग्रामीण भी पहुंच गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणं की मदद से शव को बाहर सड़क पर निकाला। बोरे को खोला तो उसमें एक चादर में शव लपेटा हुआ था। दायें हाथ पर एम बबलू एवं बाएं हाथ पर ओम अंकित था। शरीर पर अमूल माचो को अंडरवियर एवं काली शर्ट थी। युवक के हाथ में घड़ी भी बंधी हुई थी। पुलिस के अनुसार शव को देख कर ऐसा लग रहा है कि हत्या रात 12 बजे बाद की गई है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन शव की शिनाख्त नही हो सकी। पुलिस का मानना है कि कहीं और हत्या कर शव यहां फेंका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शव की हालत देख कर लग रहा था कि हत्यारों ने बेरहमी से युवक की हत्या की है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि हत्या कही अन्य स्थान पर कर शव यहां फेंका गया है। युवक के सिर पर चोट के निशान हैं। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया

फिरोजाबाद ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में यातायात प्रभारी मय टीम द्वारा ममता डिग्री कॉलेज थाना रामगढ़ में छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई एवं शपथ दिलाई गई के वह यातायात के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करेंगे तथा अपने परिवारी जनों व रिश्तेदारों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करेंगे । इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रभारी निरीक्षक रामगढ़ एवं यातायात पुलिस के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे यातायात माह के मौके पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरुक करने हेतु यातायात माह के दौरान अभियान चलाकर दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट चलने वालों, 03 सवारी लेकर चलने वालो व चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाकर ना चलने वाले एवं यातायात सम्बंधी अन्य नियमों का पालन ना करने वाले लोगों को हेलमेट पहनकर चलने व अन्य यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया

20 लीटर मिलावटी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद ।थाना रजावली पुलिस टीम द्वारा चौकिंग के दोरान एक अभियुक्त को 20 लीटर अपमिश्रित शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है थाना प्रभारी राजाबली ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में जनपद में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी टूण्डला के कुशल नेतृत्व में थाना रजावली पुलिस टीम द्वारा वाहन चौकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर रामगढ तिराहा एक अभियुक्त रामेश्वर पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम इमलिया थाना रजावली गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्त के कब्जे से 02 प्लास्टिक की जरी जिसमें 10 – 10 लीटर अपमिश्रित शराब बरामद हुई है । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना रजावली एक्साइज एक्ट पंजीकृत किया गया है । अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है

मुख्यमंत्री शासन योगी आदित्यनाथ का सोनभद्र में कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न

चप्पे–चप्पे पर रही पुलिस की नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ के जनपद

आगमन पर डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे समस्त पुलिस अधिकारियोंध्कर्मचारियों को सतर्क रहकर चप्पे–चप्पे पर नजर रखने व सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए थे तथा स्वयं भी कार्यक्रम स्थल, बैरिकेटिंग, हेलीपैड, फ्लीट रुट, सेफ हाउस, मंच, जनसभा स्थल को चेक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारीध्कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के मार्गदर्शन व दिए गए दिशा–निर्देशों के फलस्वरूप पुलिस बल द्वारा सजगता व सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर व चप्पे–चप्पे पर नजर बनाए रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

दो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनन्द पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत सिद्धार्थ अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल निर्देशन में व अखिलेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली लोटन देवनन्दन उपाध्याय द्वारा संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए धारा 151ध्107ध्116 सीआरपीसी की कार्यवाही के अन्तर्गत 02 अभियुक्तगण को दिनांक 15.11.2022 को समय करीब 11.55 बजे गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया।

ब्लॉक सभागार भनवापुर में पात्रों को वितरण किया गया आवास

आवास प्रमाण पत्र वा आवास की चाभी पाकर पात्रों के चेहरे खिले

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को प्रायोजित कार्यक्रम के अनुसार

ब्लॉक सभागार में आवास के पात्रों को आवास प्रमाण पत्र वा पहले से बन चुके आवास की चाभी वितरण का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र के जुवानिया, मधुकरपुर चौबे, गनवरिया बुजुर्ग, पिकौरा सहित लगभग 1 दर्जन से अधिक गांव के पात्र गरीबों को 91 आवास प्रमाण पत्र वितरण किया गया वही गरीबों को आवास के लिए चाभी वितरण किया गया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख भनवापुर प्रतिनिधि ा लव कुश ओझा ने कहा कि पिछली सरकारों में आवास के पैसों में बंदरबांट हो जाता था योगी सरकार में लाभार्थियों के खाते में सीधे आवास का पैसा पहुंच जाता है जिससे आवास बनाने में कोई दिक्कत नहीं आती है। वही वीडियो भनवापुर धनंजय सिंह ने कहा की आज 91 पात्र गरीबों को आवास का प्रमाण पत्र दिया गया है उनके खाते में पहली किस्त पहुंच गई है और जिनके घर बन चुके हैं उन 25 लाभार्थियों को घर की चाबी सौंपनी थी। कुछ लाभार्थी चाबी लेने किसी कारण से नहीं आ पाए हैं उन लोगों को भी आवास की चाबी उपलब्ध ा कराई जाएगी। इस अवसर पर प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष लालजी शुक्ला, कुंवर मिश्रा, रमेश गुप्ता, श्रीचंद, रितेश चतुर्वेदी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

टोल प्लाजा पर अवैध वसूली को लेकर सपा ने सौंपा ज्ञापन

'सपा का आन्दोलन चरणबद्व तरीके से रहेगा जारी: देवी प्रसाद चौधरी

मीरजापुर। चुनार के परसोधा में लगे टोल प्लाजा पर किसानों के ट्रैक्टर से अवैध वसूली एवं कर्मचारियों द्वारा दुव्यर्वहार किये जाने के विरोध व सड़कों की मरम्मत को लेकर` समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जनहित के सवालों को लेकर कलेक्ट्रेट में पहुॅचकर अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि टोल टैक्स के नाम पर कर्मियों द्वारा परसोधा के टोल प्लाजा पर मनमाने ढंग से किसानों के टैक्ट्ररों से अवैध वसूली की जा रही है। उन्होने कहा कि जनहित को देखते हुए टोल टैक्स समाप्त किया जाय। लगे हाथ उन्होंने जनपद की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत की मॉग भी दोहराई और कहा कि भाजपा की सरकार में हर क्षेत्र के लोग परेशान और बेहाल है, मंहगाई, बेरोजगारी अपने चरम पर है। किसान, नौजवान, छात्र, व्यापारी परेशान है। सपा जनहित के सवालों को लेकर अपना चरणबद्ध आन्दोलन जारी रखेगी। पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल ने कहा कि चुनार क्षेत्र में बिजली की मनमानी कटौती की जा रही है। उसे रोकने की मॉग की। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामराज पटेल ने कहा कि टोल प्लाजा पर कर्मियों द्वारा किसानों के साथ दुव्यर्वहार कर रहे है। अगर रोका नहीं गया तो समाजवादी पार्टी सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव, आशीष यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, रविन्द्र बहादूर सिंह, रोहित शुक्ला, दामोदर मौर्या, रत्नेश श्रीवास्तव, घनश्याम साहू, आकाश यादव, रविकान्त केशरी, सुशील यादव, नूरबानो, अशोक मिश्रा, रामनरेश यादव, संदीप बिन्द, कन्हैया यादव, राकेश यादव, सत्यप्रकाश यादव, अनीस खान, संतोष यादव, गिरधारी यादव, अशोक यादव, रामजी यादव, चन्दन यादव, गौरव यादव, आशुतोष मिश्रा, पतालू यादव, भूपनारायण यादव आदि उपस्थित रहे।

मत्स्य सम्पदा योजना को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन से प्रगतिशील मत्स्य पालको ने केसीसी ऋण हेतु कहा गया। जिलाधिकारी ने संबधित को केसीसी हेतु निर्देया दिया गया। जिला स्तरीय समिति द्वारा कुल 217 आवेदको के विभिन्न योजनान्तर्गत (निजी भूमि पर तालाब हेतु 98, प्रथम वर्ष निवेश–98, मत्स्य आहार ज्लांट–02, वृह्द आर0ए0एस0 02, लघु आर0ए0एस0 01, मत्स्य बीज हैचरी 01, रियरिंग इकाई 02, जिन्दा मछली विक्रय केन्द्र 01, मोटर साइकिल विद आइस वॉक्स 07, साइकिल विद आइस वॉक्स 03 एवं कियोस्क हेतु 01) आवेदन पत्र स्वीकृत किये गये है। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त सहायक निदेशक मत्स्य, अधिशासी अभियन्ता ड्रेनेज खण्ड आर0के0नेहरा तथा अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बोलेरो लूट के प्रयास में जुटे 5 बदमाशों को पुलिस ने असलहे के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर से बोलेरो बुक कर चालक का अपहरण कर भाग रहे थे तभी पुलिस की पड़ गई नजर

मीरजापुर। जनपद जौनपुर से डिलीवरी हेतु बोलेरो बुक कर वाहन स्वामी, चालक का अपहरण करने वाले 5 शातिर अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 अदद तमंचा मय कारतूस, एक चाकू व बोलेरो वाहन बरामद किया है. पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष को निर्देश दिए गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में 13 नवंबर 2022 को प्रभारी निरीक्षक थाना लालगंज मय पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र भ्रमणशील थे कि इस दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध सफेद रंग की बोलेरो में कुछ व्यक्ति सवार है। सूचना पर थाना लालगंज पुलिस टीम द्वारा गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया तो बोलेरो चालक द्वारा वाहन की गति को बढ़ाकर पुलिस टीम को वाहन से कुचलने का प्रयास करते हुए भागने का प्रयास किया, जिसपर पुलिस टीम द्वारा पीछा कर उक्त संदिग्ध वाहन को पकड़ा गया। जिसमें सवार 5 व्यक्तियों सूरज, अनुराग चतुर्वेदी उर्फ भोदू, संदीप बिन्द, विनोद उर्फ नेता व कृष्णकान्त पाण्डेय को हिरासत में लेकर नियमानुसार तलाशी ली गयी तो सूरज के कब्जे से 1 अदद 315 बोर तमंचा मय 1 अदद जिंदा कारतूस, अभियुक्त अनुराग चतुर्वेदी उर्फ भोदू के कब्जे से 1 अदद 315 बोर तमंचा मय 1 अदद जिंदा कारतूस, अभियुक्त संदीप बिन्द के कब्जे से 1 अदद 12 बोर तमंचा व 2 अदद जिंदा कारतूस व अभियुक्त कृष्णकान्त पाण्डेय के कब्जे से 1 अदद चाकू पुराना लोहे का बरामद हुआ। वाहन की तलाशी के दौरान बोलेरो की मध्य सीट के नीचे से खून से लथपथ व गमछे मुंह बंधा हुआ एक व्यक्ति काफी डरे सहमे हुई अवस्था में मिला, जिसने अपना नाम पता दुर्गा प्रसाद दूबे पुत्र स्व. रामनिरंजन दुबे निवासी हरीपुर थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर तथा स्वयं को उक्त बोलेरो वाहन का स्वामी व चालक होना बताया। दुर्गा प्रसाद दूबे से चोट व वाहन में उक्त अवस्था में होने के बारें में पूछा गया तो उसके द्वारा बताया गया कि 12 नवंबर 2022 को सायंकाल उपरोक्त पांचों व्यक्तियों द्वारा उसके घर आकर डिलीवरी हेतु हॉस्पिटल जाने के लिए वाहन को बुक कर ले जाते समय रास्ते में अचानक वाहन स्वामी, चालक से गाड़ी रूकवाकर सिर पर तमंचे की मुठिया से प्रहार कर मारपीट कर घायल कर दिया गया। वाहन की चाभी व मोबाइल कब्जे में ले लिया गया और मोबाइल को स्विच ऑफ कर दिया गया। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त बोलेरो वाहन चालक, स्वामी के अपहरण के सम्बन्ध ा में थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर पर 13 नवंबर 2022 को चालक की पत्नी ममता दूबे की तहरीर के आध ाार पर अज्ञात के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है।

एमएम 11 के बिना परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध किया जायेगा परिवाद दाखिल

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने उप–खनिजों के अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के दृष्टिगत ओवरलोडिंग एवं बिना एमएम–11 प्रपत्र के परिवहन करने वाले वाहनो के विरूद्ध सख्त कदम उठाते हुये न्यायालय में परिवाद दाखिल करने का निर्देश दिया हैं। उन्होंने कहा कि बिना एमएम–11 के अवैध परिवहन करने वाले वाहन स्वामियों तथा वाहन चालकों दोनों के विरूद्ध न्यायालय में परिवाद दर्ज कराते हुये जुर्माना के साथ निर्धारित सजा कराने की संस्तुति की जायेगी।अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद–मीरजापुर में उपखनिजों के अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियन्त्रण स्थापित करने के दृष्टिगत विगत एक सप्ताह के अन्दर विशेष अभियान चलाकर उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों की औचक जांच की गयी। जांच के दौरान जनपद–मीरजापुर से लोड किये गये उपखनिजों के कुल 08 वाहनों, जनपद–सोनभद्र से लोड किये गये उपखनिजों के कुल 13 वाहनों एवं मध्य प्रदेश व छत्तिसगढ़ से लोड किये गये उपखनिजों के कुल 06 वाहनों अर्थात कुल 27 वाहनों को बिना अभिवहन पास प्रपत्र ईएमएम–11, ई फार्म–सी, ईटीपी के उप खनिजों का अवैध परिवहन,0ओवरलोड परिवहन करने के जुर्म में पकड़ा गया है। खान अधिकारी आशीष चौधरी ने बताया कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम–1957 की धारा–4,021 एवं उवप्रव उपखनिज (परिहार) नियमावली, 2021 के नियम–3, 58, 72 के अन्तर्गत न्यायालय के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया जा रहा है। उक्त के अन्तर्गत जुर्माना एवं दोषी वाहन स्वामी, चालक को 5 वर्ष तक की सजा का प्राविधान है तथा अवैध परिवहन करने वालें वाहन चालक और वाहन स्वामी को न्यायालय से जमानत भी कराना होगा। जनपद में अवैध परिवहन, ओवर लोड पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किये जाने के दृष्टिगत कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

बाल दिवस पर चाचा नेहरू को याद किया गया

फिरोजाबाद।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया गया सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संस्थान की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती जया शर्मा रही उन्होंने बच्चों के बीच में केक काटकर तथा अंकल चिप्स और पेटीज वितरित किए बच्चों को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा की नेहरू जी बच्चों से बहुत प्यार करते थे,इसीलिए बच्चे उन्हें प्यार से चाचा जी कहकर संबोधित करते थे।अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भगवान दास शंखवार,श्रीमती चंद्रकांता शंखबार,डॉ0 दुर्गेश यादव,रेखा वर्मा,प्रयागदत्त शर्मा,छोटेलाल यादव,मनोज यादव,ओमकार शंखवार आदि उपस्थित रहे।

प्याज लादकर बिहार जा रहा ट्रक घाटी में पलटा चालक की मौत, खलासी घायल

मीरजापुर। इंदौर से प्याज लादकर बिहार जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर जिले के ड्रमंडगंज घाटी में पलट गया. इसमें गंभीर रूप से घायल चालक की जहां दर्दनाक मौत हो गई है, वही खलासी का उपचार चल रहा है. जानकारी के अनुसार इंदौर से लहसुन, प्याज लाद कर गाजीपुर जनपद निवासी महेंद्र गौड़ 40 वर्ष, खलासी राजेश के साथ बिहार के लिए रवाना हुआ था कि जैसे ही जिले के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ड्रमंडगंज घाटी उतर रहा था कि तभी ट्रक अनियंत्रित होकर घाटी में पलट गया. इसम चालक महेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया. उसका दोनों पैर कट गया था, जबकि खलासी राजेश भी बुरी तरह से घायल हो गया था. मौके पर आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से दोनों को ट्रक से बाहर निकालकर पुलिस की मदद से उपचार के लिए भिजवाया. इसमें चालक महेंद्र की जहां दर्दनाक मौत हो गई है वहीं घायल खलासी का उपचार चल रहा है. पुलिस द्वारा उनके परिजनों को सूचना देकर चालक के शव को कब्जे में ले लिया गया है.

लान इंडिया की 11 चेंजमेकर बालिकाओं ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनग। महाराजगंज यूपी के ये दोनों जिले मानव तस्करी के लिहाज से संवेदनशील हैं। इन अपराधों को रोकने के लिए कई तरह के प्रयास होते रहते हैं। प्लान इंडिया ने प्रोटेक्ट प्रोजेक्ट तहत मानव तस्करी व बाल संरक्षण के मुद्दे पर कार्य कर रही है। बाल दिवस के अवसर पर प्लान इंडिया महाराजगंज और सिद्धार्थनगर की 11 लड़कियों ने राजभवन पहुँचकर राज्यपाल महोदया से मुलाकात की। इन बच्चियों ने अपने क्षेत्र की मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम व नशे की समस्याओं पर चर्चा की, इस दौरान राज्यपाल ने कई सुझाव भी दिए। प्रोटेक्ट प्रोजेक्ट की इन चेंजमेकर ने समुदाय में बहुत से परिवर्तन जागरूकता रैली, बैठक व नुक्कड़ नाटक से कर रही है। इसके बाद बालिकाओं ने सीमांत मुख्यालय लखनऊ पहुंचकर एसएसबी के डीआईजी अभिषेक पाठक और महेश कुमार से मिलकर अपनी बाते रखी एवं चेंज एजेंट के रूप मे किए गये सामाजिक कार्यो को प्रस्तुत किया एवं सामाजिक विकास कार्यों का बताया। डीआईजी लखनऊ फ्रंटियर ने इन लड़कियों का प्रशंसा करते हुए कहां की इन लड़कियों से मिलकर मुझे बहुत ही खुशी हो रही है, इन लड़कियों के कार्यों और इनके बातों को सुनकर ऐसा लगता है कि यह बच्चे किसी मेट्रो सिटी के अच्छे विद्यालय के बच्चो से कम नहीं है। साथ ही इनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर प्लान इंडिया के प्रोटेक्ट प्रोजेक्ट के टेक्निकल लीड सुधीर कुमार राय ने प्लान इंडिया और एसएसबी के संयुक्त कार्यों का ब्यौरा दिया। इस अवसर पर प्रोटेक्ट प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर उमेश कुमार गुप्ता प्लान इंडिया महाराजगंज के जिला समन्वयक रामायण मिश्रा, सिद्धार्थनगर के जिला समन्वयक प्रसून शुक्ला एसबीवीएम अशोक राव और रूपा उमर उपस्थित रही।

जन शिक्षण संस्थान में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी शहीद बिरसा मुंडा के जन्म उत्सव के उपलक्ष में जन शिक्षण संस्थान सिद्धार्थनगर द्वारा बर्डपुर मे स्थित संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शब्बीर अहमद प्रधानाचार्य कमपोजिट जूनियर हाई स्कूल मधुबनिया बर्डपुर थे उन्होंने जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष मे बिरसा मुंडा के इतिहास तथा देश की आजादी में किए गए योगदान के के बारे में सभी उपस्थित लाभार्थियों को विस्तार पूर्वक बताया इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित जन शिक्षण संस्थान के कार्यवाहक निदेशक दिलीप कुमार सिंह व लेखाधिकारी संजीव कुमार गुप्ता संस्थान के अनुदेशक महमूद आलम, अराजुन्नीशा, आकांक्षा पाठक, कहकशा, शिवम शुक्ल द्वारा क्रमशः जनजातीय गौरव दिवस वह अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों भगवान बिरसा मुंडा शहीद वीर नारायण सिंह, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गोंडलयू गायदिनलयू, पैसे सिद्धू और कान्हा मुर्मू आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया

बिरसा मुंडा ने सोनभद्र के आदिवासी आंदोलनों से प्रेरणा ग्रहण किया

सेवा कुंज आश्रम में विरसा मुंडा बनवासी विद्यापीठ स्थापित है

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीसवीं शताब्दी के सबसे महत्वपूर्ण निर्णायक आंदोलन का नेतृत्व करने अप अल्प जीवन काल में ही भगवान की उपाधि प्राप्त करने वाले बिरसा मुंडा सोनभद्र जनपद में अंग्रेजो के खिलाफ होने वाले ससस्त्र आंदोलन से प्रेरित थे। यह दावा इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी का है। ब्रिटिश सरकार से काशी नरेश के पक्ष में युद्ध करते सैकड़ों आदिवासी सैनिकों का बलिदान, 1857 में वीर कुंवर सिंह के नेतृत्व में संगठित अंग्रेज सरकार के खिलाफ विद्रोह, 1870–71 में जुरा महतो, बुधु भगत का अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह आदि घटनाएं बिरसा मुंडा के जन्म के पूर्व क्षेत्र में आंदोलन का रंगमंच तैयार कर चुकी थी। सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा ने ईसाइयत और अपने स्कूल के खिलाफ विद्रोह शुरू किया जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें स्कूल से बाहर निकाल दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप सोनभद्र के दक्षिणांचल एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी जातियों के नौजवान अंग्रेजो के खिलाफ एकत्रित होने लगे थे। बिरसा मुंडा ने अपने आंदोलन को धर्म से जोड़कर जगह–जगह सभाएं करके लोगों को अंग्रेजो के खिलाफ खड़ा किया और कर न देने का ऐलान किया। और अपने क्षेत्र के आसपास अंग्रेजो के खिलाफ होने वाले ससस्त्र आंदोलनों का गहन अध्ययन किया और उसके अनुसार रणनीति तैयार किया। अंग्रेज सरकार जनता को बरगलाने के जुर्म में 1895 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया और हजारीबाग के केंद्रीय कारागार में 2 साल कारावास की सजा दी गई। भगवान बिरसा मुंडा के गिरफ्तारी से आंदोलन में कोई कमी नहीं आई मुंडा नौजवान जगह–जगह पर गुप्त तरीके से आंदोलन का प्रचार–प्रसार करते रहे। वर्तमान सोनभद्र के दक्षिणांचल एवं आसपास के आदिवासी इलाकों में रहने वाले आदिवासी अंग्रेजो के खिलाफ संगठित हो उठे जगह–जगह पर मुंडा नौजवानों की बैठको मे अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह की रणनीति तैयार होने लगी, भगवान बिरसा मुंडा के आंदोलन के समय सोनभद्र के आदिवासी आंदोलनकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।1897 मे वीरसाइत युवा मुंडा 400 सैनिकों ने तीर कमान से लैस होकर खूटी थाने पर धावा बोला दिया और 1998 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेज सेनाओं से हुई अंग्रेज सेना हार गई। कालांतर में अंग्रेज सैनिकों ने मुंडा सैनिकों उनके परिजनों को।काफी क्षति पहुंचाई। बिरसा मुंडा के आंदोलन ने अंग्रेजों को नाकों में चने चबवा दिए अंग्रेजों ने इनकी गिरफ्तारी के लिए चारों तरफ जाल बिछा दिए थे। जनवरी 1900 में डोंगरी पहाड़ पर एक और संघर्ष हुआ जिसमें बहुत सी औरतें वह बच्चे मारे गए 3 फरवरी ,1900 को चक्रधरपुर के घने जंगलों के बीच बिरसा मुंडा अपने सहयोगियों के साथ आराम कर रहे थे उनके ही एक गद्दार सैनिक के द्वारा अंग्रेज सेना को सूचित किया गया और उन्हें गिरफ्तार रांची के जेल में रखा गया। 9 जून 1900 को उन्हें जहर देकर मार दिया गया। उनकी मौत के पश्चात सोनभद्र सहित वर्तमान झारखंड पूर्व बिहार राज्य में तेजी के साथ क्रांति फैली लेकिन अंग्रेजों ने इस क्रांति को कुचल दिया। भगवान बिरसा मुंडा के आंदोलन को समझने के लिए सोनभद्र के इतिहास का अध्ययन आवश्यक है।

आज भगवान बिरसा मुंडा की समाधी रांची के कोकर के निकट डिसिटलरी पुल के पास स्थित है, वहीं पर उनका स्टेचू लगा हुआ है, रांची में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडाअंतर्राष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी स्थापित है। बिरसा मुंडा के सम्मान में सोनभद्र जनपद के म्योरपुर ब्लाक के सेवा कुंज आश्रम बिरसा मुंडा विद्यापीठ की स्थापना आदिवासी जातियों के भगवान कहे जाने वाले बिरसा मुंडा को सम्मान दिया गया है। सन 1921 में भारत सरकार ने 15 नवंबर यानी बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। 15 नवंबर 2022 को सोनभद्र जनपद के म्योरपुर ब्लाक के शांतिकुंज आश्रम में बिरसा मुंडा की जयंती जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का इस कार्यक्रम में आगमन एवं वनवासी समागम का आयोजन से जनपद सोनभद्र एवं आसपास के राज्यों से पधारने वाले विविध आदिवासी जातियों के कला, संस्कृति, साहित्य, इतिहास को समझने का स्वर्णिम अवसर है।

श्री मद्भागवत ज्ञान महायज्ञ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। विशाल भंडारे के साथ घोरावल नगर के

शिव मंदिर धर्मशाला प्रांगण में आयोजित 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान महायज्ञ संपन्न। मुख्य यज्ञाचार्य के नेतृत्व में यज्ञाचार्यों द्वारा पूर्णाहुति की प्रक्रिया सम्पन्न हुई और हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।वृंदावन से आए कथावाचक ब्रजरज दास महाराज को श्रद्धालुओं ने भावभीनी विदाई दी। श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन सोमवार रात व्यासपीठ से श्री ब्रजरज दास ने कहा कि परम् अवतार भगवान श्रीकृष्ण एवं जगद्जननी माता राधारानी की पावन कथा सुनने वाले और सुनाने वाले दोनों ही अपार पुण्य के भागी होते हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को सदैव धर्म और सत्य के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक चलना चाहिए,क्योंकि अंततः धर्म की विजय होती है और अधर्म पराजित होता है। भगवान सदैव धर्म के पक्ष में होते हैं। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आह्वान किया कि वे सभी सत्य, परोपकार, करुणा, त्याग जैसे मानवीय मूल्यों को आत्मसात करें। नशाखोरी, दहेज प्रथा, ऊंच नीच जैसी कुरीतियों से दूर रहें और अपने बेटे बेटियों को अच्छी शिक्षा व संस्कार देकर उन्हें मानवता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करें।इस मौके पर विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्या, रमेश पांडेय, सुरेंद्र मौर्या, अशोक अग्रहरि, किशानु, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार, नंदलाल उमर, छोटेलाल साहू, राजेश अग्रहरि इत्यादि रहे।

आदिवासी समाज के उत्थान के लिए सरकार कटिबद्ध:मुख्यमंत्री

- **सेवाकुंज आश्रम के बनवासी समागम में उमड़े जनसैलाब को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित**
- **मुख्यमंत्री ने 178 परियोजनाओं का किया शिलान्यास**

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित बनवासी समागम में जनजातियों को पट्टा समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सेवा समर्पण संस्थान कारीडांड़ में पहुंचे तो वहां हजारों की तादाद में उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के उद्घोष से उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मुख्यमंत्री आश्रम परिसर में आदिवासी समाज के मसीहा व भगवान कहे जाने वाले विरसा मुंडा की मुर्ती का अनावरण कर उन्हें शत–शत नमन किया। तत्पश्चात प्रदर्शनी में लगे स्टालों का निरीक्षण कर जनता को संबोधन करने के लिए मंच पर पहुंचे हजारों की भीड़ ने तालियों से स्वागत करते हुए जय श्रीराम के नारे लगा उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीप प्रज्जवलन कर आदिवासी समाज द्वारा उनके मांदर गले में लटकाकर और बजाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए उत्साहवर्धन किया। मंच पर प्रमुख सचिव समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश हरिओम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृतिचिन्ह व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। तदोपरांत मुख्यमंत्री ने वनाधिकार कानून के तहत आदिवासी समाज के लोगों को पट्टा वितरण करना शुरू किया। सर्वप्रथम सोनभद्र के लाभार्थी राज कुमारी और रुक्मिणी को पट्टा प्रमाण पत्र दिया गया। इसी क्रम में गोरखपुर से पद्मा, महाराज गंज से भगवान दास, बलराम पुर से चंद्र कुमारी, बहराइच से पुपीलाल, मिर्जापुर से लखततिया, सहारनपुर से गौगाराम, ललितपुर से बालचंद्र, चित्रकुट से मुम्मी देवी, गोंडा से रोजन अली आदि लाभार्थियों को उनके जमीन का मालिकाना हक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सैकडों परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों के उत्थान के लिए एकलव्य विद्यालय, आश्रम पद्धति विद्यालय, अभ्योदय कोचिंग सेंटर जगह–जगह छात्रावास बनवाया गया है जिससे कि गरीब बच्चे बच्चियां निरू शुल्क अपनी शिक्षा पूरी कर सकें। उन्होंने सेवा समर्पण संस्थान कारीडांड़ का धन्यवाद ज्ञापित किया कि ये संस्थान अपने संसाधनों से बच्चों को पढ़ाई की व्यस्था के साथ ही समाज के हर लोगों को जोड़ने का काम किया हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सोनभद्र को पर्यटन स्थल रूप में जोड़ने का काम चल रहा है। उन्होंने लोगों से अपेक्षा की सोनभद्र के जंगलों से औषधीय वनस्पतियों को संरक्षित करें आयुर्वेदाचार्यों से मिलकर जड़ी–बूटी का उत्पादन करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से सहयोग करेगी। कहां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने के लिए कोई भी माफिया बच नहीं पाएगा। मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राज्य अध्यक्ष बीएस राय, बनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष जेसी विमल सिंह, श्रीराम पाठक क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनीराम पाल, संगठन मंत्री आनंद जी कृष्ण गोपाल, राज्य सभा सांसद रामशकल, सांसद पकौड़ी लाल कोल, एमएलसी विनीत सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, घोरावल विधायक अनिल मौर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, पूर्व विधायिका रुबी प्रसाद समेत कई अधिकारी कर्मचारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पांडेय और सह संचालन अमर देव पांडेय ने किया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

बिरसा मुंडा के जन्मदिन पर श्रंद्धाजलि, सभा का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आदिवासी समाज के गौरव एवं महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी धरती के आबा बिरसा मुंडा के जन्मदिवस पर सोनभद्र के ग्राम भीषमपुर में बाबा शर्मा धांगर जिलाध्यक्ष अनुसूचित प्रकोष्ठ की अध्यक्षता में श्रंद्धाजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान 'मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी के वाराणसी मण्डल अध्यक्ष सुमन्त सिंह मौर्य' ने कहा कि धरती के भगवान बिरसा मुंडा की चाहत रही कि देश के मूलनिवासियो को देश की धन धरती पर संख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दिया जाए जिससे मूलनिवासी सम्मान भरा जीवन जी सक, बिरसा मुंडा ने अंग्रेजो द्वारा आदिवासियों पर मालगुजारी टेक्स लगाकर जमीने छिनने खेत खलिहान पर कब्जा करने जैसे कानून का पुरजोर विरोध कर रहे थे जिससे अंग्रेजो के अंदर घबराहट पैदा हो गई जिसके कारण जेल के अंदर बिरसा मुंडा को जहर देकर धोखे से मारा गया।'निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष भागीरथी सिंह मौर्य एवं जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य' ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार बिरसा मुंडा के जन्मदिन को आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाने का सिर्फ इतना मकसद है कि आदिवासी भाजपा को वोट दे जिससे भाजपा सत्ता में बनी रहे। भाजपा आदिवासी समाज को उनका हिस्सा देना नही चाहती , उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा देना नही चाहती उनके साथ हो रहे अन्याय अत्याचार पर रोक लगाना नही चाहती आदिवासी समाज को नौकरी रोजगार देना नही चाहती सरकार की मंशा है कि आदिवासी समाज भाजपा का ओट बैंक बना रहे, हिस्सा देना नही चाहती।'जिला महासचिव रविरंजन शाक्य एवं जिलाध्यक्ष अनुसूचित प्रकोष्ठ बाबा शर्मा धांगर' ने कहा कि जन अधिकार पार्टी की चाहत है कि बिरसा मुंडा की जो सोच रही कि आदिवासी समाज एवं मूलनिवासियो को जीवन के प्रत्येक क्षेत्रो में संख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दिया जाय जिससे आदिवासी समाज को सम्मान भरा जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो सके। जयंती पर प्राथमिक विद्यालय भीषमपुर के बच्चों ने कर्मा नृत्य के द्वारा आदिवासी संस्कृति को जीवंत करने का काम किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान चन्द्रावती धांगर, डा0 जय सिंह, डा0 रामराज बिन्द, साबित मौर्य, बुद्धिनारायन धांगर , हरिप्रसाद धांगर, एवं पुष्पा धांगर सहित सैकडो लोग मौजूद रहे।

इको टूरिज्म के तहत गुरमा रेंज मे चला जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गुरमा/सोनभद्र। गुरमा रेंज के विश्व एतिहासिक सलखन फॉसिल्स पार्क में वन विभाग द्वारा इको टूरिज्म जागरूकता कार्यक्रम किया गया स्थानी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों छात्र–छात्राएं के मौजूदगी में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा शासन की मंशा के अनुरूप प्रकृति, वन एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूक किया गया तथा इनके सुरक्षा संरक्षण करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर गुरमा वन क्षेत्राधिकारी सीपी त्रिपाठी ने कहा की शुध्द पर्यावरण रहने से मानव के साथ जंगली जीव जंतुओ के लिए बहुत ही जरूरी है वन्य प्राणी जंगल के आभूषण होते हैं किसी भी दशा में उनका वध नहीं करना चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने लोगो से अपील की हर व्यक्ति अगर एक पौधा लगाकर उसे विकसित करें तो वह पौधा पेड़ बन कर शुध्द हवा देगा तथा धरती पर पर्यावरण का संतुलन बना रहेगा इससे मनुष्य के साथ जंगली जीव जंतु भी स्वस्थ रहेंगे इसके लिए सभी नागरिकों की सहभागिता बहुत ही जरूरी है इस अवसर पर वन विभाग के अमीन बजरंगी मौर्या द्वारा भी जागरूकता के ऊपर लोकगीत के माध्यम से ग्रामीणों व छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया इस मौके पर वन दरोगा एसके दीक्षित, आरपी सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण छात्र–छात्राएं व मौजूद रहे।

घर पर बनाएं ठंडी और टेस्टी संडे आइसक्रीम, ये हैं 5 आसान रेसिपी

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को आइसक्रीम खाना खूब पसंद है और दुनियाभर में संडे आइसक्रीम अपने नाम और स्वाद की वजह से बेहद मशहूर है। इसे स्वाद से टेस्टी और दिखने में खूबसूरत बनाने के लिए केला, चेरी, पाइनेप्पल और स्ट्रॉबेरी जैसे स्वस्थ फलों का इस्तेमाल किया जाता है। आइए आज हम आपको घर पर ही पांच आसान और टेस्टी संडे आइसक्रीम बनाने की रेसिपी बताते हैं।

नट्टी कारमेल और चॉकलेट संडे आइसक्रीम

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 100 मिलीलीटर दूध के साथ डार्क चॉकलेट के कुछ टुकड़े डालकर पिघला लें। वहीं दूसरे पैन में अलग से पीनट बटर और कारमेल डालें और उसे भी सॉसी होने तक पिघला लें। अब एक कटोरे में ठंडी वैनिला आइसक्रीम डालें और उसके ऊपर सॉस की परत डाल दें। चॉकलेट बिस्कुट के टुकड़े, मूंगफली और बादाम से गार्निश करें करके तुरंत ठंडी–ठंडी आइसक्रीम सर्व करें।

फज सॉस के साथ केला संडे आइसक्रीम

सबसे पहले दो केलों में दही डालें और फूड प्रोसेसर का इस्तेमाल करके चिकना होने तक ब्लेंड करें। अब पेस्ट को फ्रीज में रख दें और बर्फ के क्रिस्टल को बनने से रोकने के लिए हर दो घंटे में इसे फेंटें। इसके बाद चीनी और मेपल सिरप को अच्छे से पिघलाकर इसमें थोड़ी सी सोया क्रीम डालें और दो–तीन मिनट तक उबाल लें। इसके बाद केले के बर्फ के ऊपर इसकी परत लगाएं और मेवे से गार्निश करें।

आइस्ड कॉफी संडे आइसक्रीम

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में स्ट्रांग कॉफी, दूध, कुछ बर्फ के टुकड़े और आइसक्रीम एक साथ डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को गिलास में डालें और इसके ऊपर एक स्कूप आइसक्रीम और रख दें। स्वाद में बेहतर बनाने के लिए और सजाने के लिए इसके ऊपर चॉकलेट चिप्स या ब्राउनी को क्रम्बल करके सजा दें। परिवार के साथ बैठकर ठंडी–ठंडी आइस्ड कॉफी संडे का आनंद लें।

सेब क्रम्बल संडे आइसक्रीम

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक सॉस पैन लें और उसमें थोड़ा मक्खन पिघलाएं। इसमें सेब के टुकड़े, दालचीनी और चीनी डालकर कम से कम 10 मिनट या सेब के नरम होने तक इसे अच्छे से पका लें। अब इस मिश्रण को सर्विंग बाउल में डालकर इसके ऊपर अपनी पसंदीदा आइसक्रीम का एक स्कूप डालें और कुछ चॉकलेट के बिस्कुट के टुकड़े और ड्राई फ्रूट्स से अच्छे से सजा दें।

चेरी क्रीम संडे आइसक्रीम

इसके लिए सबसे पहले क्रीम और आइसिंग शुगर को चिकना होने तक अच्छे से फेंटकर इसमें थोड़े से बादाम और दो–तीन बड़े चम्मच डार्क रम मिलाएं। अब एक बेकिंग शीट पर कुछ मफिन रखें और उस पर क्रम्बल किए हुए बिस्कुट डाल दें। इसके ऊपर क्रीम का मिश्रण डालें और फिर चेरी से सजा दें। इसके बाद सख्त होने के लिए इसे दो घंटे के लिए फ्रीज में रख दें। अब ऊपर से चॉकलेट सॉस डालकर सर्व करें।

दुबई में बैकलेस ड्रेस पहने नेहा मलिक ने गिराईं हुस्न की बिजलियां

एक्ट्रेस नेहा मलिक इन दिनों दुबई में अपना वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी बोल्ड अदाओं से सोशल मीडिया पर एक बार फिर कहर बरपा दिया है। एक्ट्रेस नेहा की एक झलक

पाने के लिए फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट बैकलेस ड्रेस की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिनमें एक्ट्रेस बेहद हॉट नजर दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने एक बार फिर बोल्ड अवतार में हॉट फोटोशूट करवाया है। इन दिनों एक्ट्रेस नेहा मलिक दुबई में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्रा पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने डीपनेक बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है। नेहा मलिक की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। नेहा मलिक के इन तस्वीरों की फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। नेहा मलिक इन फोटोशूट में अलग– अलग किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक इससे पहले भी कई ऐसे बोल्ड फोटोशूट करवा चुकी हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि नेहा मलिक की इंस्टा पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

शाहिद कपूर मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रयूज की फिल्म में आएंगे नजर

जाने–माने मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रयूज की फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की एंट्री हो गई है। वह रोशन की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। फिलहाल इस फिल्म का शीर्षक निर्धारित नहीं किया गया है। इसकी स्क्रिप्ट बॉबी–संजय मिलकर लिखेंगे। फिल्ममेकर रोशन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर इस प्रोजेक्ट की घोषणा की है। उन्होंने शाहिद के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी जताई है।

रोशन ने फेसबुक पर शाहिद के साथ फिल्म करने की जानकारी दी है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक शाहिद कपूर के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए मुझे वास्तव में खुशी हो रही है। लेखक बॉबी और संजय इसकी स्क्रिप्ट लिखेंगे और लेखक हुसैन दलाल संवाद लेखन का काम करेंगे। इसका निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर अपने बैनर आरकेएफ के तहत करने जा रहे हैं। फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम 16 नवंबर को शुरू होगा। शाहिद इसमें पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, उनके किरदार को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। रोशन ने बताया कि उन्होंने करियर में अलग–अलग तरह की फिल्में बनाई हैं। उन्होंने कहा, मैंने खुद को अपडेट किया, लेकिन अलग–अलग तरह की फिल्में बनाने की कोशिश कभी नहीं छोड़ी। मुझे स्वीकार करने और प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद। मैं जल्द वापस आऊंगा।

रोशन एक भारतीय फिल्म निर्देशक हैं, जो मुख्य तौर पर मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। उनका जन्म 6 जनवरी, 1975 को केरल में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत उदयनानु थारम से की थी। इस फिल्म में मोहनलाल और श्रीनिवासन मुख्य भूमिकाओं में थे। 2005 में आई इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक का पुरस्कार (केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड) मिला था। वह सैटरडे और सैल्यूट जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं।

शाहिद कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की वेब सीरीज में भी वह अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इसका प्रसारण अमजेन प्राइम वीडियो पर होगा। इस सीरीज से वह अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर शाहिद के साथ–साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। शाहिद की बुल उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। उनकी यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में आने वाली है।

शाहिद ने आखिरी बार कबीर सिंह नामक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी। फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी। जर्सी की असफलता ने जरूर शाहिद पर खुद को साबित करने का दवाब बढ़ा दिया होगा। अब देखना है कि उनकी आगामी फिल्में कैसा प्रदर्शन करती हैं।

यामी गौतम अभिनीत लॉस्ट का इफ्फी में प्रीमियर

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम की आगामी फिल्म लॉस्ट का प्रीमियर एशियन प्रीमियर गाला के लिए भारत के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में होगा। अनिरुद्ध

रॉय चौधरी द्वारा अभिनीत, लॉस्ट एक मनोरंजक खोजी ड्रामा थ्रिलर है जो एक उच्च खोज, सहानुभूति और अखंडता के खोए हुए मूल्यों की खोज को दशार्ती है। निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने साझा किया, मुझे खुशी है कि फिल्म को विभिन्न फिल्म समारोहों में इस तरह के जबरदस्त स्वागत के लिए खोला गया और मैं अब आईएफएफआई जैसे प्रतिष्ठित मंच पर फिल्म के भव्य प्रीमियर के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, लॉस्ट एक उत्साही युवा महिला क्राइम रिपोर्टर की कहानी है जो एक युवा थिएटर एक्टिविस्ट के अचानक गायब होने के पीछे की सच्चाई की अथक खोज में है। दिलचस्प नाटक में एक शक्तिशाली कलाकार है – यामी के साथ, फिल्म में पंकज कपूर, राहुल खन्ना और नील भूपालम, पिया वाजपेयी और तुषार पांडे सहित युवा प्रतिभाओं का एक समूह प्रमुख भूमिकाओं में होगा। जी स्टूडियोज के सीबीओ, शारिक पटेल ने कहा, लॉस्ट निश्चित रूप से एक अनूठी फिल्म है, एक थ्रिलर की आड़ में मानवता की कहानी है। हम त्योहार में इसके स्वागत और फिर भारत में इसकी नाटकीय रिलीज के लिए तत्पर हैं।कहानी श्यामल सेनगुप्ता और अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा लिखी गई है, पटकथा श्यामल सेनगुप्ता द्वारा लिखी गई है और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। फोटोग्राफी के निदेशक अविक मुखोपाध्याय हैं। संगीत शांतनु मोइत्रा द्वारा रचित है, और गीत स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखे गए हैं। लॉस्ट का निर्माण जी स्टूडियो, शरीन मंत्री केडिया, किशोर अरोड़ा, सैम और इंद्राणी मुखर्जी ने किया है। नमरू पिक्च र्स के निमार्ता शारीन मंत्री केडिया ने कहा – आईएफएफआई वास्तव में लॉस्ट को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है। हमने हमेशा सम्मोहक कहानियों को सामने लाने और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समारोहों में फिल्म के उत्साहजनक स्वागत के बाद विश्वास किया है।

बहुत घातक है इंफ्लूएंजा सीजनल फ्लू, दिखे ये लक्षण तो तुरंत जाए डॉक्टर के पास

सर्दी का मौसम आ चुका है और इस मौसम के आते ही अधिकांश लोग इंफ्लूएंजा या फ्लू या कॉमन कोल्ड एंड कफ के शिकार हो जाते हैं। आपको बता दें कि इंफ्लूएंजा या सीजनल फ्लू वायरस के कारण होता है इसलिए इसे वायरल भी कहते हैं। आपको बता दें कि इंफ्लूएंजा वायरस चार तरह के होते हैं और इनमें एच1एन1 और इंफ्लूएंजा बी वायरस के कारण आसपास में महामारी का रूप भी ले सकती है। वैसे कई लोग यह समझते हैं कि मौसम बदलने के साथ सीजनल फ्लू या इंफ्लूएंजा साधारण सी परेशानी है लेकिन कुछ लोगों के लिए यह घातक माना जा सकता है। वैसे तो आमतौर पर 4–5 दिनों से लेकर दो सप्ताह के अंदर इंफ्लूएंजा ठीक हो जाता है लेकिन इसी दौरान अगर जटिलताएं बढ़ जाए तो यह निमोनिया हो सकता है और इससे मल्टी ऑर्गेन फेल्योर भी हो सकता है। ऐसे में मरीज की मौत तक हो सकती है। जी हाँ और बच्चों और बुजुर्गों को इसका सबसे अधिक खतरा रहता है। इस वजह से सीजनल फ्लू या इंफ्लूएंजा को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर परेशानी ज्यादा है तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

किस तरह है लाइफ थ्रेटनिंग

अधिकांश लोग कुछ दिनों से लेकर दो सप्ताह के अंदर फ्लू से ठीक हो जाते हैं, हालाँकि कुछ लोगों में इससे निमोनिया हो जाता है। जब इसका थोड़ा असर होता है तो इससे साइनस और कान में इंफेक्शन हो जाता है। जी हाँ और निमोनिया का प्रभाव बढने पर वायरस के साथ–साथ बैक्टीरिया का हमला भी बढ़ जाता है। जब फ्लू के बाद निमोनिया गंभीर हो जाता है तो हार्ट, ब्रेन और मसल्स में सूजन होने लगती है जिसे हार्ट में मायोकार्डाइटिस, ब्रेन में एनसिफलाइटिस और मसल्स में मायोसाइटिस हो जाता है। अंत में इन सबका परिणाम यह होता है किडनी, रिस्पाइरेटरी सहित मल्टी ऑर्गेन फेल्योर हो जाता है और अंततरू मरीज की मौत हो जाती है।

किन लोगों का ज्यादा खतरा

यह खतरा किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन कुछ लोगों को इसका खतरा ज्यादा रहता है। 65 साल से ऊपर के बुजुर्ग, अस्थमा, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, प्रेग्नेंट महिलाएं और 5 साल से कम उम्र के बच्चों का फ्लू लगने के बाद निमोनिया का खतरा ज्यादा होता है। इंफ्लूएंजा में अचानक वायरस का हमला होता है और वह अपना प्रभाव दिखाने लगता है। 3–4 दिनों तक बुखार रहता है। इसके अलावा बदन में कभी–कभी तेज दर्द होता है और कभी–कभी खांसी भी होती है। छाती में कंजेशन हो जाता है और नाक से पानी निकलने लगता है। कभी–कभी गला में खराश रहता है और सिर दर्द भी रहता है। उल्टी और डायरिया भी हो सकती है।